राजधानी लखनऊ, जौनपुर एवं भदोही से प्रकाशित

R.N.I NO - UPHIN/2002/23967

देश की उपासना

www.deshkiupasana.com & www.deshkiupasana.in

(हिन्दी साप्ताहिक)

वर्ष – 23 | अंक – 42 | लखनऊ, 26 जनवरी 2026 | पृष्ठ – 08 | मूल्य – 2.00 रूपये

दिल्ली की अदालत ने पुलिसकर्मी पर गोली चलाने के प्रयास से जुड़े मामले में एक व्यक्ति को बरी किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने 2018 में द्वारका में रात के समय जांच अभियान के दौरान एक पुलिसकर्मी को लाइसेंसी पिस्तौल से गोली मारने की कोशिश करने के आरोप से एक व्यक्ति को यह कहते हुए बरी कर दिया कि अभियोजन पक्ष मामले को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा है। निर्वहन में विघ्न डालना), 353 (लोकसेवकों को डराने–धमकाने या हमला करने के लिए बल प्रयोग), 324 (खतरनाक हथियारों या साधनों से चोट पहुंचाना) और 307 (हत्या का प्रयास) तथा शस्त्र अधिनियम की धारा 27 (हथियारों और गोला–बारूद का अवैध उपयोग) और मोटर वाहन अधिनियम की धारा 185 (नशे की हालत में वाहन चलाना) के तहत आरोपों से बरी कर दिया। अदालत ने अभियोजन के सबूतों में गंभीर कमियां पाईं। मामला 31 अक्टूबर, 2018 को एक घटना से जुड़ा था, जब पुलिस अधिकारियों ने आरोप लगाया कि कुमार नामक व्यक्ति ने नशे की हालत में द्वारका के सेक्टर 21 अंडरपास के पास एक पिकेट पर पुलिसकर्मियों से बदतमीजी की, एक कांस्टेबल के अंगूठे को चोट पहुंचाई और फिर सहायक उप– निरीक्षक की ओर पिस्तौल तान दिया, हालांकि गोली नहीं चलाई।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर पर पाक प्रोपेगेंडा की निकाली हवा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच तीखी कूटनीतिक बहस देखने को मिली। भारत ने अंतरराष्ट्रीय कानून और शासन पर आयोजित एक बहस के दौरान पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे झूठ और उसके द्वारा प्रायोजित आतंकवाद पर जोरदार पलटवार किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने पाकिस्तान के दूत असीम इफ्तिखार अहमद के बयानों का करारा जवाब दिया। पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने अपनी बात रखते हुए ऑपरेशन सिंदूर, जम्मू–कश्मीर का मुद्दा और सिंधु जल संधि का जिक्र किया था। राजदूत हरीश ने इन दावों को पूरी तरह खारिज करते हुए पाकिस्तान को आईना दिखाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान अपनी घरेलू विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के मनगढ़ंत और झूठे नैरेटिव का सहारा ले रहा है।

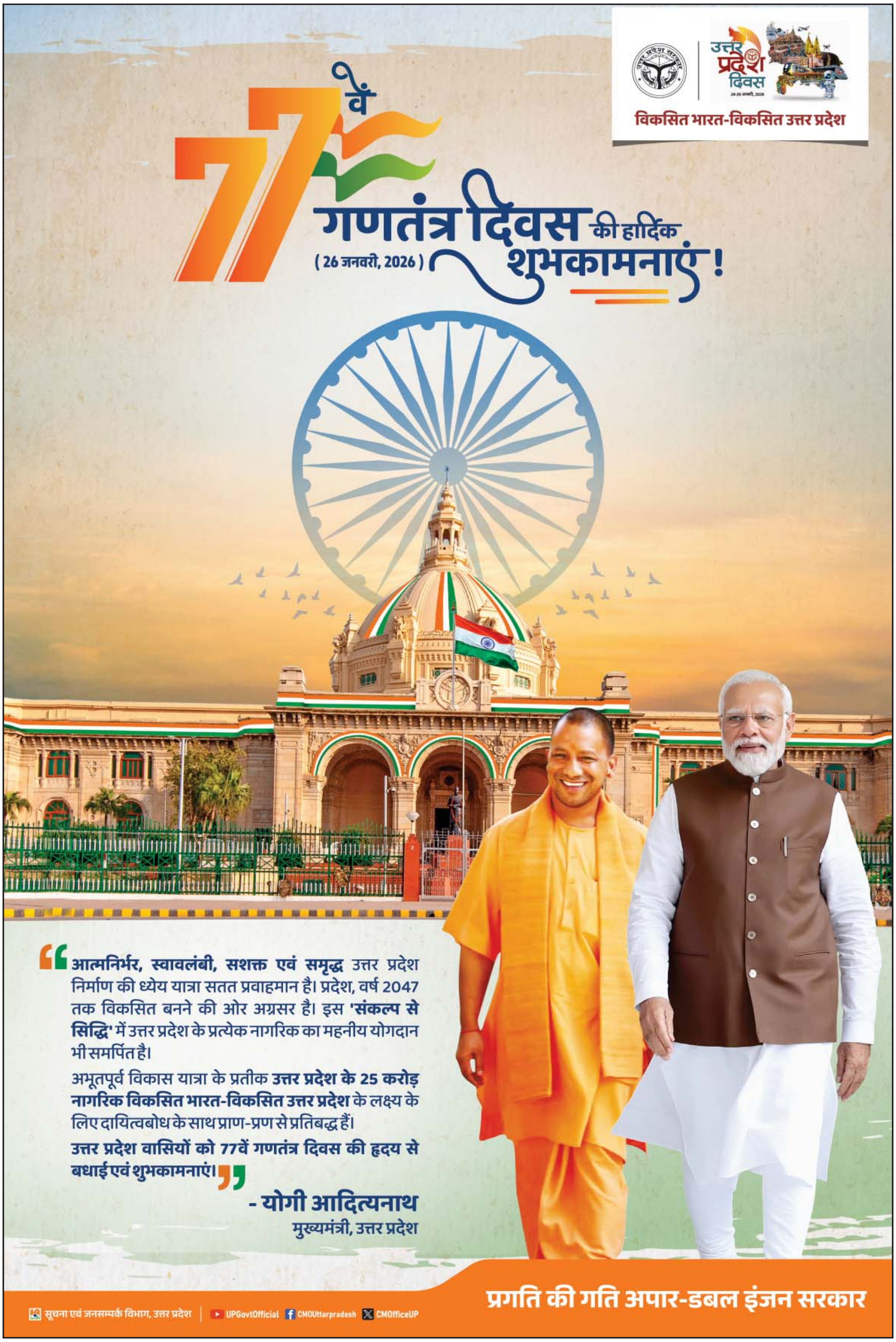

संपादकीय

गण का हो तंत्र

ऐसे वक्त में जब हम 77वां गणतंत्र दिवस समारोहपूर्वक मना रहे हैं, सत्ताधीशों के साथ–साथ देश के नागरिकों के लिए भी यह आत्ममंथन का समय है। निर्विवाद रूप से, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की प्रतिष्ठा हमारी संवैधानिक संस्थाओं की जनपक्षधरता और जवाबदेही से सुनिश्चित होती है। लेकिन जरूरत इस बात की है कि हमारे जनतंत्र पर तंत्र हावी न हो। नागरिकों का जीवन सुगम हो और सत्ता व प्रशासन तक उनकी पहुंच सहज हो। वहीं, नागरिकों को भी संवैधानिक संस्थाओं की कार्यशैली और जवाबदेही पर सचेतक निगाह रखनी चाहिए। देश का स्वतंत्र मीडिया जनहितों की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी कहा कि समाज में असीम शक्ति होती है। समाज का सक्रिय समर्थन किसी योजना और नीति को बदलाव के आंदोलन में बदल देता है। देश में डिजिटल पेमेंट में जनभागीदारी का उदाहरण देते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि पूरी दुनिया के आधे डिजिटल पेमेंट भारत में होते हैं। निःसंदेह, देश में लोकतंत्र की समृद्ध परंपराओं को जनभागीदारी से ही अक्षुण्ण रखा जा सकता है। देश ने कल राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया। हमारे लोकतंत्र को सशक्त और पारदर्शी बनाने में हमारे वयस्क मतदाता निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। भारतीय लोकतंत्र में हावी होते धनाढ्य लोग, बाहुबलियों और दागी उम्मीदवार तभी दरकिनार हो सकते हैं, जब मतदाता विवेकपूर्ण मतदान के जरिए समाज के जागरूक, ईमानदार और आम उम्मीदवारों को जनप्रतिनिधि संस्थाओं के लिए चुनेंगे। हाल के वर्षों में देश के लोकतंत्र में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ी है। उनका मतदान प्रतिशत भी बढ़ा है। बल्कि, उन्होंने कई राज्यों में सरकार बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। आज आवश्यकता इस बात की है कि खेत–खलिहान से अंतरिक्ष तक और सेना से लेकर अंतर्राष्ट्रीय खेलों में विशिष्ट पहचान बनाने वाली महिलाओं को और सशक्त बनाया जाए। महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा और स्वास्थ्य को हमारी सरकारों को प्राथमिकता की सूची में शामिल करना होगा। बड़े पैमाने पर जनधन खाते खुलने, आवास योजनाओं में संपत्ति का अधिकार मिलने और स्वयं सहायता समूहों में भागीदारी से देश की करोड़ों महिलाएं सशक्त बनी हैं। वहीं, हमारा सौभाग्य है कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है। आज जरूरत इस बात की है कि युवा आबादी को पर्याप्त और समय पर रोजगार मिले। कौशल विकास योजनाओं से उन्हें स्वावलंबी बनाने का मार्ग सुनिश्चित किया जाए। यदि हम हर युवा को रोजगार देना सुनिश्चित कर सकें, तो हम विकसित भारत के लक्ष्य को समय से पहले हासिल कर सकते हैं। हमें दुनिया के तमाम देशों में रोजगार की तलाश में भटक रहे युवाओं को देश में ही सम्मानजनक रोजगार देने का प्रयास करना चाहिए।वहीं दूसरी ओर, देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले किसानों को फसलों का न्यायसंगत दाम देने के प्रयास तेज करने होंगे। सस्ते ब्याज वाले ऋण, बीज और खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करके हम उनकी राह आसान कर सकते हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना से किसानों को राहत जरूर मिली है, लेकिन अभी इस दिशा में बहुत कुछ करना बाकी है।

क्रिकेट को रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलाने दें

गोपाल

आज भारत और बांग्लादेश का युवा कहीं अधिक आकांक्षी और महत्वाकांक्षी हैं। इसीलिए क्रिकेट नई शुरुआत करने का एक माध्यम बन सकता है। दोनों पक्षों के बीच तनाव को खत्म कर सकता है। भारत–बांग्लादेश संबंधों के मौजूदा संकट में रोचक पहलू यह कि समाधान हेतु उपयुक्त तमाम घटक उसमें ही मौजूद हैं। भारत के लिए अवसर है कि नकारात्मक सोच वाले उन सभी विरोधियों की बाजी पलट दें जो 1971 के बाद से दो मुल्कों के बीच बेहद खास रिश्तों का पराभव चाहते हैं। समाधान हेतु मुद्दों की सूची में शीर्ष पर क्रिकेट संकट है, जो एक पखवाड़े पहले हिंदू संगठनों द्वारा इंडियन प्रीमियर लीग में बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान के खेलने पर रोक लगाने की मांग से पैदा हुई। बीसीसीआई इस मांग पर झुक गई और युवा मुस्तफिजुर को हटाया गया। इससे क्रोधित हुए बांग्लादेशियों का गुस्सा थम नहीं रहा है। उन्होंने टी–20 विश्व कप में भारत के साथ मैच खेलने से इनकार कर दिया है, जिसमें कोलकाता के प्रतिष्ठित ईडन गार्डंस स्टेडियम में होने वाला मैच भी एक है। उनकी मांग थी कि उनसे संबंधित क्रिकेट मैच, ठीक पाकिस्तान की तरह, तटस्थ देश श्रीलंका स्थानांतरित किया जाए। फिर, यहां एक विचार है। संभवतः बांग्लादेश संबंधित मैचों को दक्षिण भारत में स्थानांतरित कर दिया जाता, जहां पर बंगाली दर्शक कम होते हैं। संभव है उन्हें अमिताव घोष द्वारा पिछले दशकों में, बहुत डूबकर लिखे तीन नॉवेल (द शैडो लाइन्स, द हंग्री टाइड, गन आइलैंड) के झकझोर देने वाले विषय–वस्तु का इतनी गहराई से अहसास न हो। अब शीर्ष भाजपा नेतृत्व के लिए समय आ गया है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) से राब्ता बनाएं –और बीएनपी भी यही करेदृ हालांकि बीएनपी प्रमुख, तारिक रहमान, इन दिनों 12 फरवरी को होने वाले चुनावों की तैयारी के लिए रैलियों–बैठकों के साथ देश का तूफानी दौरा कर रहे हैं। आखिरकार, यदि आरएसएस चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से बात कर सकती है, तो शेष कुछ भी संभव है। यह विचार दोनों पक्षों के लिए है कि अपना चेहरा बचाएं, ठंडे दिमाग वालों को वार्ता करने दें ताकि गर्म दल वाले अवसर हथिया न सकें। हमारे द्विपक्षीय इतिहास में इससे भी बदतर घटित हुआ है। वास्तव में, 1971 में बना उत्साह लंबे समय तक टिका नहींय चार साल से भी कम अवधि में, 15 अगस्त, 1975 को, बांग्लादेशी

फिर से बांग्लादेशियों का कत्ल कर रहे थे। वर्तमान में लौटते हुए। आज की कहानी अब मुस्तफिजुर रहमान और यहां तक कि उन शेख हसीना के बारे में और अधिक नहीं रही, जिन्होंने द प्रिंट को दिए अपने साक्षात्कार में आगामी बांग्लादेशी चुनावों में आवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने को 'बदलाव का रूप धारा अधिनायकवाद' बताया है। यह तथ्य कि उन्होंने दिल्ली स्थित विदेशी संवाददाता क्लब को एक वॉयस मैसेज जारी किया है, उसमें भी मूल रूप से वही संदेश था। (ऐसा कहा जा रहा है कि उनका क्लब में खुद मौजूद न रहना या वीडियो संदेश जारी न करना, उनसे बनी सहमति का एक हिस्सा है)। निस्संदेह, भारत–बांग्लादेश के बीच संबंधा –अगस्त 2024 में हसीना के तख्ता पलट और हाल ही में बांग्लादेश में निर्दोष हिंदुओं की प्रतिशोध की भावना से की गई हत्याओं से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं– क्षति नियंत्रण तुरंत शुरू न करना बहुत नुकसानदायक होगा। एक शुरुआत हो चुकी है, खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में भारत की ओर से अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ढाका गए थे। पिछले नवंबर में बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार खलीलुर रहमान भारत में अपने समकक्ष अजीत डोभाल से मिलने दिल्ली आए थे। दोनों तरफ दांव बहुत बड़ा लगा है। भारत को न केवल विभिन्न जनजातियों, धर्मों, कुलों और राजनीतिक दलों के मिश्रण वाले संवेदनशील उत्तर–पूर्व अंचल की सुरक्षा के लिए बल्कि पूर्वी दिशा के मुल्कों के साथ रिश्तों में हो रहे तेजी से बदलाव के बीच बांग्लादेश के साथ की जरूरत है। सिर्फ इसलिए नहीं कि अगले कुछ महीनों में पश्चिम बंगाल और असम में चुनाव होने हैं। दोनों राज्यों की सीमा बांग्लादेश से लगती है। कई लोग हसीना के अहंकार–कुशासन का हवाला देते हुए कहते कि उन्हें इसलिए उखाड़ फेंका गया। यह भी उतना ही सच है कि भारत ने बहुत कुछ नजरअंदाज किया, जिसमें यह तथ्य भी शामिल है कि शेख हसीना और बीएनपी का आपस में हमेशा बैर रहा है। बीएनपी ने दो बार राष्ट्रीय चुनाव का बहिष्कार किया, जिससे घरेलू राजनीतिक कलह बढ़ गई। लेकिन सरकार चाहे कांग्रेस की हो या बीजेपी की, शेख हसीना भारत की पसंदीदा क्यों बनी रहीं, इसका कारण यह है कि वे वास्तव में धर्मनिरपेक्ष रहीं। वे हिंदू अल्पसंख्यकों को सुरक्षित रखने को महत्वपूर्ण समझती थीं, खुली वार्ता के अलावा सीमापारीय व्यापार के पक्ष में थीं। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने पाकिस्तान की आईएसआई के नेतृत्व वाले घातक लोगों को घुसने नहीं दिया। वे बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में किस कदर नुकसान पहुंचा सकते थे कि उसके सामने धुरंधर फिल्म में दिखाया गया कथानक दार्जिलिंग चाय और वॉटरक्रेस सैंडविच परोसने वाली किटी पार्टी की तरह लगता।

भावनाओं के नियमन से उजाले की पगडंडी

विकास

जीवन की सार्थकता भावनाओं से पलायन करने में नहीं, बल्कि उन्हें उस राह में रूपांतरित करने में है, जो अंतर्मन के अंधेरे से निकलकर शाश्वत प्रकाश की ओर जाती हो। पहाड़ों या घने जंगलों में लोगों के सतत आवागमन से कुछ रास्ते स्वतः ही बन जाते हैं। इन्हें हम पगडंडी कहते हैं। इनमें कुछ पगडंडियां सुगम होती हैं, जिन पर चलना आसान होता है। वहीं कुछ इतनी संकरी और उबड़खाबड़ होती हैं कि उन पर चलना एक चुनौती बन जाता है। कुछ पगडंडियां हमें हमारे गंतव्य स्थल तक पहुंचाती हैं तो कुछ भटकाव की भूल–भुलैया में छोड़ देती हैं। दरअसल, मानवीय भावनाओं का संसार भी कुछ ऐसी ही पगडंडियों से बना होता है। प्रसन्नता की पगडंडी हमें खिले हुए फूलों जैसी दुनिया में ले जाती है, जहां सौंदर्य के रिश्तों की अनूठी छटा बिखरी होती है। वहीं दुख की राह किसी घने अंधेरे जंगल में ले जाती है, जहां केवल निराशा और हताशा का वास होता है। भय की राहों पर आशंकाओं के कांटे बिछे होते हैं, तो क्रोध की राह अंगारों से दहक रही होती है। यहां प्रश्न उठता है कि आखिर भावनाओं की इन पगडंडियों का उद्गम स्थल कहां है? कहां से यह कारवां शुरू होता है? आधुनिक विज्ञान मानता है कि भावनाओं का जन्म हमारे मस्तिष्क में होता है। मस्तिष्क में स्थित 'लिम्बिक सिस्टम' भावना का केंद्र होता है। इसमें विशेष रूप से अमिगडाला की भूमिका प्रमुख होती है, जो भय, क्रोध और आनंद जैसी तत्काल भावनाओं को जन्म देता है। साथ ही डोपामिन, सेरोटोनिन और ऑक्सिटोसिन जैसे रसायनों से भावनाओं का निर्धारण करता है। मनोविज्ञान इस विमर्श को थोड़ा सूक्ष्म रूप में परिभाषित करता है। इसके अनुसार भावनाएं हमारे विचारों से जन्म लेती हैं। अवचेतन मन में दबी हुई इच्छाएं, पुरानी यादें और गहरे संस्कार सुप्त अवस्था में रहते हैं, जो अचानक किसी उत्प्रेरक के मिलने पर भावना के रूप में फूट पड़ते हैं। कई बार किसी घटना के प्रति हमारा नजरिया भी भावनाओं को जन्म देता है। भारतीय दर्शन और अध्यात्म इसे और गहराई से देखता है। हमारे ऋषि–मुनियों ने कहा है कि भावनाओं का असली घर हमारा चित्त है, जो एक गहरे सरोवर की तरह है। इस सरोवर की तलहटी में हमारे पुराने संस्कार और वृत्तियां जमा रहती हैं। जैसे शांत सरोवर में कंकड़ फेंकने से लहरें उठती हैं, वैसे ही संस्कारों के इस मानस सरोवर में जब बाहरी दुनिया का कोई विषय स्पर्श करता है, तो जो कंपन होता है, वही भावनाएं हैं और यहीं से जन्म होता है –भावनाओं की पगडंडी का। भावनाओं की पगडंडी के निर्माण के संदर्भ में श्रीमद्भगवद्गीता के अध्याय 2 के श्लोक 62 में भी एक श्लोक मिलता हैकृ 'पहले मन में किसी विषय का चिंतन होता है, चिंतन से उस विषय में आसक्ति पैदा होती है। आसक्ति से कामना जन्म लेती है और जब कामना पूरी नहीं होती या उसमें बाधा पड़ती है, तो क्रोध जन्म लेता है। और इस तरह क्रोध की भावना की पगडंडी का निर्माण होता है।' दरअसल, इन पगडंडियों पर चलते हुए अक्सर हम दिशा–भ्रमित हो जाते हैं। भावनाओं की जटिलता से निपटने के लिए अक्सर हमारी सहज प्रतिक्रिया उनके 'दमन' की हो जाती है। बचपन से ही हमें 'क्रोध न करने' या 'आंसू रोकने' का प्रशिक्षण दिया जाता है। हम समझते हैं कि भावनाओं का दमन कर देने से हम संयमित कहलाएंगे। जबकि सच्चाई यह है कि भावनाओं का जबरन दमन, बहते पानी पर कच्चा बांध बनाने जैसा है, जिसमें पानी क्षणिक रूप से रुक सकता है, परंतु उसका बढ़ता दबाव अंततः किसी घातक मानसिक विस्फोट का कारण बनता है। तो फिर अप्रिय भावनाओं से निपटने का समाधान अगर दमन नहीं है। तो दूसरा सही मार्ग क्या है? उत्तर है यहां यह समझना जरूरी है कि भावना, मूल रूप से, केवल एक 'ऊर्जा' है। विज्ञान का नियम है कि ऊर्जा को न तो पैदा किया जा सकता है और न ही नष्ट, उसे केवल रूपांतरित किया जा सकता है। ठीक इसी तरह, हमारी भावनाएं न अच्छी होती हैं, न बुरीय वे सिर्फ एक शक्ति हैं जो प्रवाहित होना जानती हैं। जीवन की कला इस पगडंडी को अवरुद्ध करने में नहीं, बल्कि इसकी दिशा ऊंचाई की ओर मोड़ देने में है। जब भावना की दिशा बदलती है, तो वही ऊर्जा जो पतन का कारण बन सकती थी, उत्थान का आधार बन जाती है। इतिहास गवाह है कि जब–जब मनुष्य ने अपनी भावनाओं की दिशा बदली है।

संक्षिप्त खबरें

शंकराचार्य के समर्थन में सपा नेता का प्रदर्शन कहा– गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने का प्रस्ताव लाएंगे

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी की महिला जिलाध्यक्ष गुंजन सिंह ने रविवार को टीकरमाफी स्थित स्वामी परमहंस आश्रम में प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन जगतगुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आश्रम परिसर में भगवान शंकर की प्रतिमा के पास शंकराचार्य की प्रतिमा स्थापित की गई। आश्रम के बटुकों ने मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा–अर्चना कराई। इसके बाद प्रतिमा का गंगाजल और दूध से अभिषेक किया गया। प्रदर्शन के दौरान सपा महिला जिलाध्यक्ष ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीते कई दिनों से शंकराचार्य को गंगा स्नान से रोका जा रहा है और वह बिना अन्न–जल ग्रहण किए धरने पर बैठे हैं। इसे उन्होंने चिंताजनक बताया। गुंजन सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा सनातन और हिंदू धर्म की रक्षा की बात करती है, लेकिन वर्तमान शासन में शंकराचार्य के शिष्यों के साथ दुर्व्यवहार हुआ है। उन्होंने कहा कि शिष्यों के साथ मारपीट की गई, उनकी चोटी खींची गई और उनके वस्त्र तक उतार दिए गए। सपा नेत्री ने शंकराचार्य की ओर से उठाई गई गौ माता की रक्षा की मांग को उचित ठहराया। उन्होंने कहा कि यह विषय देश की आस्था से जुड़ा है। साथ ही भाजपा पर स्लॉटर हाउस से कमीशन लेने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि यदि समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है तो गौ माता को 'राष्ट्रमाता' घोषित करने का प्रस्ताव लाया जाएगा। प्रदर्शन में सपा कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

लोकगीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजी शाम

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तरायणी कौथिग के बारहवें दिन दर्शकों ने उत्तराखंड के लोकगीतों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। इस अवसर पर ओहो रेडियो के संस्थापक एवं सीईओ कविंद्र सिंह मेहता उर्फ आरजे काव्य ने भी दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। कवि शेरदा अनपढ़ के गीत द्वी दिना ड्यार शेरूवा यो दुनि में... और हम पहाड़ा का पंछी... को कलाकारों डॉ. अजय ढौंडियाल और दीवान कनवाल ने युगल गीत के रूप में प्रस्तुत किया। लखनऊ के लोकगायक आनंद कपकोटी ने भी अपने गीतों पंछी हुना उड़ी ऊना मैं तेरी मुलुक... और माही पाणि जी ज्यू तेरो मेरो हो... से दर्शकों का मन मोह लिया। एलडीए कॉलोनी कानपुर रोड के बाल कलाकारों ने कोरियोग्राफर ध्रुव शुक्ला के नेतृत्व में रामकृष्ण स्तुति पर मनमोहक नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। झोड़ा और छपेली प्रतियोगिता झूमिगो सीजन–4 की प्रस्तुतियां हुईं। पिंकी नौटियाल के नेतृत्व में उत्तराखंडी लोकगाथा पर आधारित नृत्यनाटिका आचरी की प्रस्तुति हुई। सांस्कृतिक संध्या में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह, प्रदेश मंत्री भाजपा उत्तराखंड व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा युवा मोर्चा नेहा जोशी, ललित मोहन जोशी, लखनऊ कैंसर इंस्टीट्यूट की निदेशक निर्मला पंत ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। युवा प्रकोष्ठ ने मिस उत्तरायणी जाह्नवी और मिस्टर उत्तरायणी निलय बोरा को सम्मानित किया गया।

तमंचे के बल पर 4.80 लाख की लूट, पांच कर्मचारियों को बंधक बनाकर पीटा

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बाराबंकी में मछली पालन केंद्र में रविवार देर रात हथियारबंद बदमाशों ने सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। पांच से छह बदमाशों ने तमंचे के बल पर रखवाली कर रहे पांच कर्मचारियों को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा। फिर, अलमारी में रखे करीब 4.8 लाख रुपये नकद लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। घटना जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के मिश्रीपुर गांव की है। पीड़ित मोहित, कुंदन, रोशन, लल्लन और दरोगा के मुताबिक, रात में वह मछली पालन केंद्र पर ही रुककर रखवाली कर रहे थे। रात करीब 2 बजे ठंड से बचाव के लिए आग जलाकर बैठे थे, तभी अचानक बदमाश वहां आ धमके। सभी पर तमंचा तानते हुए बदमाशों ने किसी को भी हिलने–डुलने नहीं दिया। इसके बाद उनके हाथ पीछे बांध दिए गए और मुंह में कपड़ा ठूंस दिया गया, ताकि वे शोर न मचा सकें। पीड़ितों ने बताया कि बदमाशों ने सभी पर लात–घूंसे बरसाए। इसी दौरान एक बदमाश ने लोहे की रॉड से लल्लन के पैर पर जोरदार वार किया। इससे वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। मारपीट के बाद बदमाशों ने कमरे में रखी अलमारी तोड़ दी। उसमें रखी नकदी समेट ली। पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। लेकिन, जाते समय बदमाश कैमरे का डीवीआर भी अपने साथ ले गए। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। कुछ ही देर में एसओजी टीम भी पहुंच गई और जांच शुरू की। घटनास्थल पर अलमारी का सामान बिखरा पड़ा था। कई बक्सों के ताले टूटे मिले। पुलिस ने पीड़ितों के बयान दर्ज कर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की। एसओजी टीम प्रभारी अजय सिंह ने बताया कि घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। जल्द ही बदमाशों की गिरफ्तारी कर मामले का खुलासा किया जाएगा। वहीं थानाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद शुक्ला ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

शिक्षारथों से जन-जन तक पहुंचा शिक्षा का संदेश, 1.48 करोड़ बच्चों ने एक साथ दी तिरंगे को सलामी

लखनऊ, (संवाददाता)। 77वें गणतंत्र दिवस पर उत्तर प्रदेश में शिक्षा, संविधान और राष्ट्रभक्ति का संगम देखने को मिला। प्रदेश के 1.32 लाख से अधिक परिषदीय विद्यालयों एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) में एक साथ 1.48 करोड़ से अधिक छात्र–छात्राओं ने तिरंगे को सलामी देकर लोकतांत्रिक मूल्यों, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रनिर्माण के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। विद्यालय प्रांगण राष्ट्रगान, वंदे मातरम और देशभक्ति गीतों से गूंज उठे। सुबह से ही प्रदेश के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, कम्पोजिट विद्यालयों और केजीबीवी में गणतंत्र दिवस समारोह पूरे उत्साह के साथ आयोजित किए गए। रंग–बिरंगे झंडों, आकर्षक सजावट, प्रभात फेरियों, तिरंगा रैलियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने विद्यालय परिसरों को जीवंत बनाया। नन्हे हाथों में तिरंगा और आंखों में भारत के उज्ज्वल भविष्य का सपना स्पष्ट झलक रहा था। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को भारतीय संविधान के मूल सिद्धांतों, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी देते हुए उन्हें जिम्मेदार, जागरूक और संस्कारित नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। बता दें कि गणतंत्र दिवस पर शिक्षा, जागरूकता और जनसंवाद के इस संयुक्त प्रयास ने यह स्पष्ट कर दिया कि उत्तर प्रदेश में शिक्षा केवल विद्यालय परिसरों तक सीमित नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग तक पहुँचकर सशक्त, समावेशी और विकसित भारत के निर्माण की मजबूत नींव रख रही है। इस अवसर पर प्रदेशभर में विशेष शिक्षा जागरूकता अभियान भी संचालित किया गया, जिसने गणतंत्र दिवस को केवल उत्सव नहीं, बल्कि शिक्षा के व्यापक जनआंदोलन का रूप दे दिया। सभी 75 जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालयों से एक साथ कुल 375 शिक्षा रथों को झंडी दिखाकर रवाना किया गया। हर जिले से पांच–पांच शिक्षा रथ निकाले गए, जिनका उद्देश्य शिक्षा से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी सीधे आमजन तक पहुंचाना रहा। प्रत्येक शिक्षा रथ पर दो शिक्षक व दस विद्यार्थी शामिल रहे। इस प्रकार प्रदेश भर में 4500 से अधिक शिक्षा प्रहरी (शिक्षक और विद्यार्थी), शिक्षा के संदेशवाहक बनकर अभियान का नेतृत्व करते नजर आए। निर्धारित भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत हर शिक्षा रथ ने तीन–तीन स्थानों पर ठहरकर आमजन से सीधा संवाद स्थापित किया। इसके माध्यम से प्रदेश में कुल 1125 स्थानों पर जनसंवाद आयोजित हुआ। विभाग की उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाया जनसंवाद के दौरान बेसिक शिक्षा विभाग की विभिन्न इकाइयों द्वारा संचालित योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी साझा की गई। आमजन को परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को मिलने वाली निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, यूनिफॉर्म, जूते–मोजे, मध्यान्ह भोजन, छात्रवृत्ति, निःशुल्क नामांकन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके साथ ही अभिभावकों को बच्चों के नियमित विद्यालय आने और शिक्षा से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया गया। प्रदेश के सभी कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में गणतंत्र दिवस समारोह विशेष रूप से उत्साहपूर्ण रहा। छात्राओं ने देशभक्ति गीत, नृत्य, नाटक, भाषण और कविताओं के माध्यम से यह सशक्त संदेश दिया ।

राज्यपाल ने उत्कृष्ट योगदान देने वाले महानुभावों को किया सम्मानित

लखनऊ, (संवाददाता)। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उत्तर प्रदेश दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को संस्कृति विभाग द्वारा जनभवन में आयोजित अलंकरण समारोह में विभिन्न क्षेत्रों कला, संस्कृति, साहित्य, नाट्य, खेल और बौद्ध व जैन दर्शन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिभाशाली लोगों को सम्मानित किया। इस अवसर राज्यपाल ने सम्मानित कलाकारों, साहित्यकारों, विद्वानों एवं सांस्कृतिक साधकों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे सम्मान न केवल वर्षों की साधना और तपस्या का सम्मान हैं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा के स्रोत भी हैं। उन्होंने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए इसे भारत की लोकतांत्रिक चेतना, संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय आत्मगौरव का उत्सव बताया। राज्यपाल ने कहा कि भारत की लोकतांत्रिक यात्रा संविधान के मूल्यों पर आधारित रही है और विश्व की प्राचीनतम एवं जीवंत सभ्यताओं में से एक होने के नाते भारत लोकतंत्र की जननी है। आधुनिक गणतंत्र भले ही युवा हो, किंतु उसकी जड़ें अत्यंत सुदृढ़, मानवीय मूल्यों और नैतिक आदर्शों से अनुप्राणित हैं। राज्यपाल ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे निर्भीक होकर आगे बढ़ें, जोखिम लेने से न घबराएँ, क्योंकि साहस ही नवाचार की प्रथम सीढ़ी है। प्रतिभा का विस्तार ही उसे परंपरा में परिवर्तित करता है और जब युवा संकल्पित होते हैं, तब विकसित भारत एक सुनिश्चित भविष्य बनता है। सांस्कृतिक चेतना पर बल देते हुए राज्यपाल ने कहा कि बाबा योगेन्द्र कला सम्मान, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र सम्मान, आचार्य भरतमुनि सम्मान, बिरसा मुंडा सम्मान सहित विभिन्न पुरस्कार राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सुदृढ़ कर रहे हैं और परंपरा व आधुनिकता के बीच सेतु का कार्य कर रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज 'न्यू इंडिया' के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विगत वर्षों में राज्य ने विकास के नए मानक स्थापित किए हैं, जिससे जनजीवन सुगम हुआ है तथा रोजगार, निवेश और नवाचार के नए अवसर सृजित हुए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब केवल देश का सबसे बड़ा राज्य नहीं, बल्कि विकास का अग्रदूत बनकर उभर रहा है। राज्यपाल ने कहा कि भविष्य की तकनीक आज उत्तर प्रदेश में आकार ले रही है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, जौनपुर

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2026 के पावन पर्व पर नगर पालिका परिषद परिवार की ओर से जौनपुर नगरवासियों से पालिका निम्नलिखित अपील करती है।

1.गृहकर ,जलकर व जलमूल्य का भुगतानं 31 मार्च 2026 से पहले पालिका को करते हुए छूट का लाभ उठाएं

2 दुकानो, होटलों, रेस्टोरेस्ट, नार्सिंग होम, हॉस्पिटल पर देय किराया व लाईसेन्स शुल्क की अदायगी समय से पालिका में करें।

3– अपने–अपने घरो से निकलने वाले दैनिक कूड़ो को समय से निर्धारित स्थल व कूड़ेदान में फेंके इधर–उधर तितर–वित्तर न करें। झाडू लगने के पश्चात कूडा व कचरा कदापि सड़कों व पटरियों पर न फेंके अपने दुकानों व प्रतिष्ठानों के सामने कूड़ादान अवश्य रखें।

4.सड़क पटरियों, नालियों व नाली पर किसी प्रकार का स्थायी व अस्थायी अतिक्रमण न करें।

5. पर्यावरण को स्वच्छ बनाने हेतु अधिक से अधिक वृक्ष लगायें।

6.जन्म–मृत्यु का पजीकरण 21 दिवस के भीतर नगर पालिका में अवश्य करायें।

7– अपने घरों के पेयजल नल की टोटी को खुला न छोड़कर पेयजल का अपव्यय न करें। खुली टोटी पाए जाने व जल का अपव्यय करने हेतु पाये जाने पर नियमानुसार सम्बन्धित के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी।

8 नगर में लगे स्ट्रीट लाईट व विद्युत उपकरणों को क्षति व नुकसान से बचायें।

9 प्रतिबन्धित पॉलिथिन थर्माकोल, दोहरा, चायनीज मंझे के खरीद, बिक्री, स्टोरेज व उपयोग वर्जित है. इसका उपयोग कदापि न करे, यह गम्भीर अपराध है पकड़े जाने पर जुर्माना भरना पड़ेगा।

10. देय करो व गृह कर एवं जलकर का भुगतान समय से करें तथा आनलाईन करें

11– डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन में नगर पालिका कर्मियों का सहयोग करें।

12– शौचालय का प्रयोग करें। खुले में शौच कदापि न करें इससे बिमारी फैलती है।

अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, जौनपुर	समस्त मान्य सभासद नगर पालिका परिषद, जौनपुर।	(मनोरमा मौर्या) अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, जौनपुर।

संक्षिप्त खबरें

150 की क्षमता वाले ब्लड बैंक में सिर्फ 20 यूनिट ब्लड, निगेटिव ग्रुप का टोटा

भदोही, (संवाददाता)। महाराजा चेतसिंह जिला अस्पताल के ब्लड सेंटर में केवल 20 यूनिट खून है। 150 यूनिट क्षमता वाले इस ब्लड सेंटर में एबी और ओ निगेटिव जैसे महत्वपूर्ण ग्रुप के खून केवल एक–एक यूनिट हैं। ऐसे में इस ग्रुप के मरीजों को परेशानी उठानी पड़ सकती है। जिले में बड़े ऑपरेशन के अलावा गंभीर बीमारियों में जरूरत पड़ने पर मरीजों को कई बार अन्य जनपदों से खून लेने की आवश्यकता पड़ जाती है। जिला चिकित्सालय में हर दिन 900 के करीब ओपीडी होती है। हर दिन जिला अस्पताल में ब्लड बैंक में आठ से 10 लोग खून लेने आते हैं। इसमें कई जरूरतमंदों को जरूरत पड़ने पर कई बार खून उपलब्ध नहीं हो पाता। यह जिले का इकलौता सरकारी ब्लड सेंटर है। इसके बाद भी यहां हमेशा खून की कमी रहती है। खून की कमी के कारण अक्सर यहां से लोगों को बैरंग वापस लौटना पड़ता है। वहीं जिन्हें मिलता हैं। उन्हें डोनर साथ लेकर जाना होता है। ब्लड सेंटर में 150–150 यूनिट के दो फ्रीजर हैं। एक फ्रीजर इमरजेंसी के लिए रखा जाता है। एक यूनिट ब्लड तीन महीने तक रखे जाते हैं। इस बीच उपयोग नहीं किए गए, तो वह खराब हो जाते हैं। यहां हर सप्ताह ब्लड परिवर्तित होते रहते हैं। ब्लड सेंटर में केवल 20 यूनिट रक्त शेष बचा है। इससे कैंसर, थैलसीमिया, हीमोफीलिया, एचआईवी, जननी सुरक्षा योजना आदि के गंभीर बीमारियों के मरीजों को रक्त की आपूर्ति की जाती है।

400 परिवारों को दूषित पानी से मिलेगी निजात, पाइप दुरूस्त कराने में जुटा नपं

भदोही, (संवाददाता)। वार्ड नंबर एक इमलहा में छह महीने से दूषित पानी का दंश झेल रहे 400 परिवारों को जल्द ही निजात मिलेगा। पेयजल पाइप टूटने की वजह से छह महीने से 400 घरों में दूषित पानी सप्लाई हो रही थी। नगर पंचायत ने इसका संज्ञान लिया है। शनिवार से ही पेयजल पाइप लाइन को दुरूस्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। घोसिया नगर की आबादी करीब 25 से 30 हजार है। नगर के वार्ड नंबर एक में करीब छह महीने से पेयजल की समस्या बनी हुई थी। छह महीने पहले पेयजल सप्लाई की पाइप क्षतिग्रस्त हो गई। पाइप के ऊपर से नाली का गंदा पानी बहने से पूरे नगर में जिससे दूषित पानी पाइप के माध्यम से लोगों को घरों तक जाता रहा। खासकर 400 परिवारों तक इसी पानी की सप्लाई होती रही। इस बीच लोगों ने कम से कम चार से पांच बार नगर पंचायत में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कोई समाधान नहीं हो सका। इस समस्या को अमर उजाला ने प्रमुखता से उठाया। जिसके बाद नगर पंचायत की नींद खुली। नगर पंचायत ने शनिवार को पाइप लाइन को दुरूस्त किए जाने के लिए काम शुरू कर दिया। नगर पंचायत के आधा दर्जन कर्मी पाइप को दुरूस्त करने में जुटे रहे। अधिशासी अधिकारी डॉ. अनुपम सिंह ने बताया कि शिकायत के बाद पेयजल पाइप को दुरूस्त कराए जाने का काम शुरू कर दिया गया है। जल्द ही लोगों के घरों तक शुद्ध पानी की सप्लाई होगी।

बहन को मायके पहुंचाने जा रहे युवक की टैंकर की टक्कर से मौत

भदोही, (संवाददाता)। औराई के कटका पड़ाव के पास टैंकर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। वाराणसी के चौबेपुर थाना क्षेत्र के मदनी गांव निवासी सोनू शर्मा (24) बहन राधा शर्मा (29) के साथ मिर्जापुर जा रहे थे। दुर्घटना में राधा घायल हो गई। उपचार के लिए सीएचसी औराई में भर्ती कराया गया। टक्कर मारने के बाद चालक टैंकर लेकर भाग गया। वाराणसी के चौबेपुर थाना क्षेत्र के मदनी गांव निवासी सोनू शर्मा रविवार की दोपहर में बाइक से बहन राधा के साथ भाभी आरती शर्मा के मायके मिर्जापुर जा रहे थे। बताया जा रहा है कि कटका पड़ाव के पास दक्षिणी लेन पर स्थित एक पेट्रोल पंप से बाइक में तेल भरवाने के बाद वह जैसे ही कटका ओवरब्रिज पर चढ़े। पीछे से आ रहे तेज रफ्तार टैंकर ने बाइक में टक्कर मार दी। बाइक पर पीछे बैठी राधा उछलकर दूर जा गिरी। वहीं, सोनू की टैंकर की चपेट में आने से घटनास्थल पर मौत हो गई। औराई पुलिस ने घायल राधा को अस्पताल पहुंचाया। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि हादसे की सूचना परिजनों को दी गई है। शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

चोरी की 40 घटनाओं का सीसीटीवी फुटेज आया सामने

भदोही, (संवाददाता)। जिले में हुई चोरी की घटनाओं में शामिल युवकों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने उनके सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक किए हैं। एसपी अभिमन्यु मांगलिक ने चोरी की घटनाओं में शामिल इन चोरों की सटीक जानकारी उपलब्ध कराने वालों को प्रोत्साहन राशि दिए जाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। जिले में ठंड बढ़ने के साथ चोरी की घटनाओं में भी इजाफा हुआ है। बीते एक माह में सुरियावां, औराई, भदोही, गोपीगंज और ज्ञानपुर कोतवाली के गांवों व नगरों में कम से कम 40 चोरी की घटना हुई हैं।

आगरा में बैंक कर्मचारियों की हड़ताल, संजय प्लेस में जोरदार प्रदर्शन

आगरा, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के आगरा में यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स के आह्वान पर अखिल भारतीय बैंक हड़ताल की गई। यह हड़ताल सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र, विदेशी, क्षेत्रीय ग्रामीण एवं सहकारी बैंकों में लागू रही। हड़ताल के चलते बैंक कर्मचारी एवं अधिकारियों ने बड़े स्तर पर संजय प्लेस स्थित एलआईसी बिल्डिंग पर प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या बल में बैंक कर्मचारी मौजूद रहे और सभी ने एक स्वर में पांच दिवसीय बैंकिंग को लागू करने का आवाहन किया। आईबॉक के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अंकित सहगल ने स्पष्ट किया कि यह हड़ताल बैंक कर्मचारियों एवं अधिकारियों की लंबित मांगों को लेकर की गई है। प्रमुख मांगों में बैंकिंग उद्योग में 5–दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करना, सभी शनिवारों को अवकाश घोषित करना तथा कर्मचारियों पर बढ़ते कार्यभार को कम करना शामिल है।यूएफबीयू आगरा संचालक गजेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार सार्वजनिक बैंकों को कमजोर कर इसके जनहितकारी उद्देश्य को समाप्त करना चाहती है। समस्त बैंकर्स एवं जनता को भी एकजुट होकर इसके खिलाफ आवाज उठानी होगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2015 में हुए द्विपक्षीय समझौतों तथा 7 दिसंबर 2023 को हुए समझौते के अनुसार 5–दिवसीय कार्य सप्ताह लागू किए जाने की सिफारिश पहले ही की जा चुकी है, लेकिन सरकार की ओर से अब तक इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। वर्तमान में सप्ताह के दूसरे एवं चौथे शनिवार को बैंक बंद होते हैं परंतु आईबीए से हुए समझौते के अनुसार हर शनिवार को बैंक बंद होने थे। समझौता हुए लम्बा समय हो गया परंतु सरकार ने क्रियान्वन की ओर कोई कदम नहीं उठाया। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन जनता के विरुद्ध नहीं, बल्कि बैंकिंग क्षेत्र में हो रहे भेदभाव और कर्मचारियों की उपेक्षा के खिलाफ है। यूनियनों ने जनता से सहयोग की अपील करते हुए किसी भी असुविधा के लिए खेद भी प्रकट किया है।

इन किसानों ने दान में दे दी अपनी जमीन, ताकि गांव में ही मिल सके इलाज

आगरा, (संवाददाता)। आगरा के विकास खंड सैंया के राजस्थान सीमावर्ती गांव मेंगलपुरा बत्तरा में अब जल्द ही स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किया जाएगा। स्वास्थ्य केंद्र के लिए ग्रामीणों ने अपनी निजी जमीन शनिवार को खेरागढ़ तहसील के रजिस्ट्री कार्यालय में जाकर दान की है। प्रधान प्रतिनिधि हरेंद्र जादौन ने बताया कि सैंया स्वास्थ्य केंद्र से गांव की दूरी करीब 18 किलोमीटर होने के कारण ग्रामीणों को इलाज के लिए बेहद परेशानी का सामना करना पड़ता था। ग्रामीण इसके लिए लंबे समय से प्रयासरत थे। मेंगलपुरा पंचायत के मजरा बत्तरा निवासी रामप्रसाद त्यागी, घूरेलाल,भीकम, महाप्रसाद, दिनेश,महेश ,रमेश त्यागी, फैलीराम त्यागी ने अपनी निजी भूमि में से स्वास्थ्य केंद्र के लिए करीब 3 बिस्वा जमीन दान दी है। वहीं कुछ भूमि पंचायत द्वारा दी गई है। स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक सैंया डॉ. अतुल भारती ने बताया कि उप स्वास्थ्य केंद्र के लिए जमीन मिल गई है। जल्द ही शासन से बजट स्वीकृत कराया जाएगा, जिससे उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण जल्दी हो सके। उप स्वास्थ्य केंद्र बनने से आसपास के कई गांव के लोगों को नजदीक और समय पर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। इस दौरान राम अवतार शर्मा, पुरषोत्तम, वाहिद खान एवं सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत त्यागी का भी विशेष सहयोग रहा।

पति–पत्नी की गोली मारकर हत्या

आगरा, (संवाददाता)। मैनपुरी के बरनाहल थाना क्षेत्र के ग्राम फूलपुर में बीती रात पति–पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दंपती के दो बच्चे हैं। वह बाहर नौकरी करते हैं। पति–पत्नी घर पर अकेले रहते थे। सुबह ग्रामीण घर के पास से गुजर रहे थे, तो मामले की जानकारी हुई। जानकारी होते ही पूरे गांव में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महेश चंद्र शाक्य और उनकी पत्नी अनीता देवी गांव में बने मकान में रहते थे। बीती रात घर के अंदर ही दोनों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना की जानाकारी मंगलवार सुबह हो सकी, जब ग्रामीण उनके घर के पास से गुजरे। घर के दरवाजे खुले हुए थे ।

रोडवेज बस ने रौंद दिए बाइक सवार छात्र

आगरा, (संवाददाता)। सोरों के प्रहलादपुर थाना क्षेत्र में सोमवार शाम लगभग 3:30 बजे एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई। कासगंज से बरेली जा रही रोडवेज बस ने बाइक पर सवार दो छात्रों को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में एक छात्र की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि दूसरे ने जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही दोनों गांवों में शोक की लहर फैल गई। मृतकों की पहचान नीरज (18 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय सतेंद्र और आदित्य पुत्र स्वर्गीय रोहतास, निवासी प्रहलादपुर थाना सोरों के रूप में हुई है। नीरज के चाचा राजकुमार ने बताया कि दोनों आपस में गहरे मित्र थे और कक्षा 10 के छात्र थे। नीरज तीन बहनों का इकलौता भाई था। बेटे की मृत्यु की खबर सुनकर उसकी मां पुष्पा देवी का रो–रोकर बुरा हाल है। परिजनों का कहना है कि नीरज परिवार का सहारा था और उसकी मौत से परिवार पूरी तरह टूट गया है। वहीं आदित्य के चाचा पिंटू ने बताया कि आदित्य की बहन साधना की शादी की तैयारियां चल रही थीं। तीन फरवरी को नगला चित्ती से बारात आनी थी, लेकिन इस दुखद घटना के कारण घर में खुशियों की जगह मातम छा गया। आदित्य दो भाइयों और चार बहनों में से एक था। सोरों कोतवाली प्रभारी जगदीश चंद ने बताया कि दुर्घटना में शामिल रोडवेज बस को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। बस चालक घटना के बाद से फरार है, जिसकी तलाश के लिए पुलिस टीम गठित की गई है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

गणतंत्र दिवस पर देशभक्ति का उल्लास, तिरंगे की धूम

बांदा, (संवाददाता)। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के आगमन के साथ ही पूरे बांदा जिले में देशभक्ति का माहौल पूरे जोश और उत्साह के साथ छा गया है। शहर के प्रमुख बाजारों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक, तिरंगा टोपी, बैंड और झंडों की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। हर ओर तिरंगे के रंग में रंगे बाजार लोगों को आकर्षित कर रहे हैं, और बच्चे, युवा व बुजुर्ग सभी इस राष्ट्रीय पर्व को यादगार बनाने की तैयारियों में जुटे हैं। बाजारों में तिरंगे की बहार शहर के विभिन्न बाजारों में तिरंगा झंडा, टोपी, बैज, बैंड, रिबन और तिरंगे रंग के गुब्बारे बड़ी संख्या में उपलब्ध हैं। दुकानदारों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से बिक्री लगातार बढ़ रही है, खासकर स्कूली बच्चों और युवाओं में तिरंगे से जुड़े सामानों के प्रति विशेष उत्साह देखा जा रहा है। लोग अपने घरों, दुकानों और वाहनों को भी तिरंगे के रंगों से सजा रहे हैं। सजावट और सांस्कृतिक तैयारियां गणतंत्र दिवस के अवसर पर सजावट के लिए रंग–बिरंगी लाइटों की भी खूब मांग है। सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर सजावट की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। स्कूलों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रभात फेरी और देशभक्ति गीतों की रिहर्सल चल रही है।

मकान का ताला तोड़कर 35 हजार रुपये और जेवर उड़ाए

बांदा, (संवाददाता)। अध्यापिका के किराए के मकान से चोरों ने 35 हजार रुपये नकद और जेवर में हाथ साफ कर दिया। स्कूल से लौटी अध्यापिका ने देखा तो चोरी की जानकारी हो सकी। फतेहपुर के लमेहटा गांव की रहने वाली अनीता सिंह ने बबेरू कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उसके पति गुजरात में प्राइवेट नौकरी करते हैं, वह बुढ़ौली गांव के स्कूल में अध्यापिका के पद पर कार्यरत हैं। अतर्रा रोड बबेरू निवासी बबलू श्रीवास्तव के के मकान में किराए से रहती हैं। वह 12 जनवरी को स्कूल की छुट्टी होने के बाद अपने मायके मरका गांव गईं थीं। जब वह 16 जनवरी को लौटी तो देखा कि कमरे का ताला टूटा पड़ा है। अलमारी में जेवर और 35 हजार रुपये गायब हैं। अध्यापिका ने बबेरू कोतवाली में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

किले की चहारदीवारी के नीचे पड़े मिले महिला के शव की नहीं हो सकी शिनाख्त

बांदा, (संवाददाता)। ऐतिहासिक एवं पौराणिक महत्व के दुर्ग कालिंजर में सिंगार किला की चहारदीवारी से तकरीबन 20 फिट नीचे झाड़ियों में एक 40 वर्षीय महिला का शव पड़ा मिला था। गुरुवार को चरवाहों की सूचना पर पुरातत्व विभाग के कर्मियों ने देखा तो पुलिस को सूचना दी। चार दिन बीत जाने के बाद भी महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी है। वह गुलाबी साड़ी पहने हुए थी। शव को रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में रखाया गया है। इस संबंध में कालिंजर थाना इंस्पेक्टर सुखराम सिंह ने बताया कि पुलिस ने मध्य प्रदेश के सतना जिले, रींवा, पन्ना, व यूपी के कानपुर, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर और महोबा जिलों में फोटो भेजकर शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं ।

भाई-बहन ने खाया जहर, नदी किनारे मिले शव

बांदा, (संवाददाता)। बांदा जिले के नरैनी कोतवाली क्षेत्र में एक भाई–बहन ने संदिग्ध परिस्थितियों में बरछा पुल के पास बागै नदी के किनारे जहर खाकर अपनी जान दे दी। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। मामला कोतवाली क्षेत्र के शास्त्री नगर मोहल्ले का है। घटना में आनंद प्रकाश गुप्ता (30) और उनकी बहन चंचल गुप्ता (34) ने रविवार दोपहर करीब साढ़े चार बजे अपने घर से स्कूटी पर सवार होकर बरछा पुल से लगभग 100 मीटर दूर बागै नदी के किनारे पहुंचे। वहां दोनों ने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। आसपास के खेतों में काम कर रहे लोगों ने उन्हें अचेत अवस्था में देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस की कार्रवाई और जांच सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने दोनों के शवों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में घटना का कारण पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है।

नरैनी में भाई–बहन ने खाया जहर, नदी किनारे मिले दोनों के शव

बांदा, (संवाददाता)। नरैनी में एक भाई–बहन ने संदिग्ध परिस्थितियों में बरछा पुल के पास बागै नदी के किनारे जहर खाकर अपनी जान दे दी। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। कोतवाली क्षेत्र के शास्त्री नगर मोहल्ले में हुई इस दुखद घटना में आनंद प्रकाश गुप्ता (30) और उनकी बहन चंचल गुप्ता (34) ने रविवार दोपहर करीब साढ़े चार बजे अपने घर से स्कूटी पर सवार होकर बरछा पुल से लगभग 100 मीटर दूर बागै नदी के किनारे पहुंचे। वहां दोनों ने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया,।

धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में विकसित हो रहा सुल्तानपुर

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। अयोध्या से सटे जिले में आज भी रामायणकालीन कई ऐसे स्थल हैं, जो मौजूदा समय में पर्यटन के रूप में विकसित हुए हैं। इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे

हैं। इन स्थलों पर अलग–अलग पर्व व तिथियों पर मेले का आयोजन होता रहता है। इसमें विजेथुआ महावीरन धाम, धोपाप, सीताकुंड घाट, लोहरामऊ देवी धाम, बाबा बरियारशाह स्मारक स्थल व ऐतिहासिक पारिजात वृक्ष है, जहां पर रोज पर्यटक आते रहते हैं। जिले के अलावा आसपास के लोग भी यहां आते हैं। भगवान कुश की नगरी में सीताकुंड जैसा पवित्र घाट है। यह आदि गंगा गोमती का वही पावन तट है, जहां मान्यता है कि माता सीता ने यहां अपने केश धुले थे। तभी से इसका नाम सीताकुंड घाट हो गया। यहां पर जिले की दुर्गा पूजा का ऐतिहासिक विसर्जन होता है। इसके अलावा डाला छठ, मौनी अमावस्या, वसंत पंचमी, मकर संक्रांति व अन्य पर्वों पर यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटती है। यहां पर वर्ष भर रोज श्रद्धालु स्नान करने आते हैं। यहीं पर त्रिदेव मंदिर, हनुमान मंदिर व भगवान भोलेनाथ की भी मंदिर है। इससे यहां पर हर दिन श्रद्धालु पूजन–अर्चन को आते हैं। कपटी कालिनेमि का वध भी हनुमान जी ने विजेथुआ में किया था। मौजूदा समय में यह विजेथुआ महावीरन धाम के रूप में विकसित हो चुका है। जिले के अलावा प्रदेश भर से लोग यहां हनुमानजी का दर्शन करने श्रद्धालु आते हैं। हनुमान जयंती पर भव्य आयोजन होता है। दीपावली व जेठ के हर मंगलवार पर यहां श्रद्धालुओं का तांता रहता है। इसके अलावा साल भर हर मंगलवार व शनिवार को सुबह से ही मंदिर में भारी भीड़ उमड़ने लगती है। श्रद्धालु बजरंगबली को लड्डू का प्रसाद चढ़ाते हैं। इससे यहां पर कारोबार करने वालों को रोजगार का अवसर मिल गया है। भदैया के जमुवावा गांव में बने बाबा बरियार शाह स्मारक स्थल पर क्षत्रियों का जमावड़ा होता है। पर्यटन के रूप में विकसित इस स्थल पर रोज आसपास के जिले के क्षत्रिय वंश के लोग पूजन–अर्चन करने आते हैं। इसी प्रकार लंभुआ के धोपाप घाट की मान्यता है कि भगवान राम ने रावण का वध करने के बाद यहीं ब्रह्महत्या के पाप से मुक्ति पाई थी। यहां राम मंदिर में ज्येष्ठ शुक्ल दशमी और गंगा दशहरा पर विशेष स्नान–मेला लगता है। शहर के सिविल लाइन में देव वृक्ष पारिजात का दर्शन करने दूर–दराज से लोग आते हैं। इसके अलावा लोहरामऊ देवी धाम, लंभुआ की मरी माता धाम,पीपी कमैचा के शाहपुर जंगल का शिव मंदिर आदि ऐसे स्थल हैं, जो श्रद्धालुओं के लिए आस्था के केंद्र बने हुए हैं।

जल्द संवरेगा मजरूह सुल्तानपुरी उद्यान

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। शहर में ऑफिसर्स कॉलोनी स्थित मजरूह सुल्तानपुरी उद्यान जल्द ही नए और आकर्षक लुक में नजर आएगा। नगर पालिका परिषद करीब 85 लाख रुपये की लागत से उद्यान का कायाकल्प करवा रही है। वॉकिंग पथ और नई बाउंड्रीवॉल का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। वहीं, ओपन जिम, झूले, बेंच और अन्य सुविधाएं जल्द ही स्थापित की जाएंगी।

नगर पालिका ने मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के तहत करीब चार माह पहले मजरूह सुल्तानपुरी उद्यान के कायाकल्प का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा था। प्रस्ताव को स्वीकृति मिलने और बजट आवंटित होने के बाद निर्माण कार्य शुरू कराया गया। सबसे पहले उद्यान परिसर की भूमि का समतलीकरण कराया गया। इसके बाद वरिष्ठ नागरिकों और सुबह–शाम टहलने वालों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उद्यान के चारों ओर वॉकिंग पथ का निर्माण कराया गया, जो अब अंतिम चरण में है। साथ ही उद्यान की सुरक्षा और सुंदरता बढ़ाने के लिए नई बाउंड्रीवाल का निर्माण भी लगभग पूरा कर लिया गया है। नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीन अग्रवाल ने बताया कि उद्यान में बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले लगाए जाएंगे, जबकि युवाओं और बुजुर्गों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए ओपन जिम की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा बैठने के लिए पर्याप्त संख्या में बेंच भी लगाई जाएंगी। अधिशासी अधिकारी लाल चंद्र सरोज ने बताया कि निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। मार्च माह से पहले उद्यान का कायाकल्प कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

परिषदीय स्कूलों में द्वितीय सत्र की परीक्षाएं शुरू

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। परिषदीय विद्यालयों में द्वितीय सत्र की परीक्षाएं शनिवार से शुरू हो गई हैं। 30 जनवरी तक चलने वाली परीक्षा का उद्देश्य छात्रों के शैक्षणिक प्रगति का मूल्यांकन करना और शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाना है। परीक्षा में दिसंबर महीने तक पूर्ण किए गए पाठ्यक्रम से जुड़े सवाल पूछे गए। ।दैया प्रतिनिधि के अनुसार प्राथमिक विद्यालय गौरा व उच्च प्राथमिक विद्यालय नारायणपुर सहित अन्य स्कूलों में विभिन्न कक्षाओं के छात्र परीक्षाओं में शामिल हुए। प्राथमिक विद्यालय गौरा में कक्षा एक व दो के छात्रों की मौखिक परीक्षा हुई। कक्षा तीन, चार व पांच के विद्यार्थियों ने प्रथम पाली में हिंदी विषय की लिखित परीक्षा दी। इसी तरह उच्च प्राथमिक विद्यालय नाराणयपुर में कक्षा छह, सात व आठ के छात्रों ने हिंदी विषय की परीक्षा दी।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर पलटा ट्रक, खलासी घायल

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर धनपतगंज के भरसड़ा गांव के पास रविवार तड़के किन्नू लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। दुर्घटना में ट्रक का खलासी घायल हो गया, जबकि चालक बच गया। ट्रक पंजाब से किन्नू लादकर बिहार जा रहा था। ट्रक के पलटने से किन्नू सड़क पर बिखर गया। यूपीडा के सहायक सुरक्षा अधिकारी राम चरन वर्मा ने बताया कि हरियाणा के नेऊरुनहवा, पोस्ट आंकड़े निवासी नूर मोहम्मद ट्रक चला रहा था। वाहन चलाते समय झपकी आ गई, जिससे ट्रक का संतुलन बिगड़ कर सड़क किनारे पलट गया। दुर्घटना में ट्रक पर सवार हरियाणा के नेऊरुनहवा निवासी खलासी नासिर (26) के सिर में चोट लगने से घायल हो गया। एंबुलेंस से उसे धनपतगंज सीएचसी पहुंचाया गया। वहां इलाज के बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को सुरक्षित स्थान पर रखवाया गया है। धनपतगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र मिश्र ने बताया कि दुर्घटना की जानकारी मिली है।

धूप में लापरवाही, बिस्तर पकड़ा रही ठंड

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। मौसम में लगातार हो रहे उतार–चढ़ाव का असर अब बच्चों की सेहत पर भी साफ दिखने लगा है। मेडिकल कॉलेज के चिल्ड्रन वार्ड में बीमार बच्चों की संख्या बढ़ती जा रही है। खासकर निमोनिया, उल्टी–दस्त, पेट दर्द और सीने में जकड़न की शिकायत लेकर बच्चे अस्पताल पहुंच रहे हैं। बाल रोग विभाग की ओपीडी में रोजाना 135–150 बच्चे इलाज के लिए आ रहे हैं, चिकित्सक बच्चों व अभिभावकों को सावधानी बरतने की सलाह दे रहे हैं। मेडिकल कॉलेज के चिल्ड्रन वार्ड में पेट दर्द, उल्टी और बुखार की समस्या से पीड़ित बच्चे भर्ती हैं। हालांकि, अभी तक पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट (पीआईसीयू) में किसी भी बच्चे को भर्ती नहीं करना पड़ा है। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम करन ने बताया कि दिन में धूप निकलने के कारण अभिभावक बच्चों को हल्के कपड़े पहना रहे हैं।

माउंट आबू : जहां की हवाओं में भी तैरता रहता है रोमांस

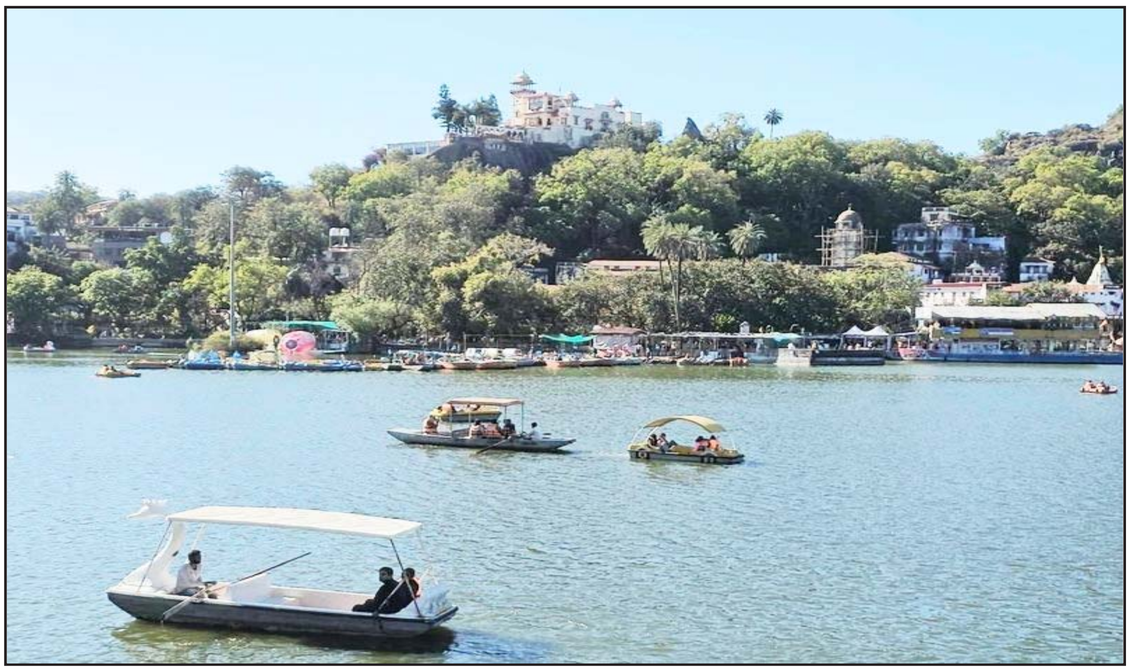

अरावली पर्वतमाला की गोद में बसा माउंट आबू राजस्थान का इकलौता हिल स्टेशन है। ठंडी हवाएं, हरियाली, नक्की झील और मनोरम पहाड़ियां इसे गर्मियों में सुकून का ठिकाना बनाती हैं। पौराणिक महत्व, प्राकृतिक सौंदर्य और रोमांटिक माहौल के कारण यह पर्यटकों और हनीमून कपल्स की पहली पसंद बना हुआ है। आमिर खान स्टारर सुपरहिट फिल्म 'कयामत से कयामत तक' देखी है न? फिल्म में माउंट आबू के चप्पे–चप्पे की खूबसूरती को बारीकी से पेश किया गया था। माउंट आबू इस लिहाज से बेमिसाल है कि यह राजस्थान का इकलौता ठिकाना है, जहां गर्मियों और सर्दियों में बराबर सुहानी हवाएं चलती हैं, जिससे यह साल–भर घूमने लायक बना रहता है। माउंट आबू तमाम हिल स्टेशनों से भी जरा हटकर है, क्योंकि यहां ढलाननुमा छतों वाले घर नहीं हैं। गर्मियों में जब समूचा राजस्थान तपता है, तब यही पहाड़ियां ठंडक के झोंकों का अहसास कराती हैं। पौराणिक कथाओं के मुताबिक, यहीं गुरु वशिष्ठ ने राजपूतों के चार अग्निकुल वंश स्थापित किए थे। इनसे पहले सूर्यवंशी और चंद्रवंशी नाम के दो ही प्रमुख कुल थे। अग्निकुल के राजपूतों ने ही माउंट आबू को गर्मियां बिताने का अपना सैरगाह बनाया। पीछे–पीछे खास और आम सभी लोग माउंट आबू का रुख करने लगे। धीरे–धीरे यह शहरियों का आराम का ठिकाना बनकर उभरा। हवाओं में रोमांस तैरता है, इसलिए कई हनीमून युगल भी यहां आना पसंद करते हैं। और फिर, माउंट आबू के दिल में बसी झील क्या शानदार है। अरावली पहाड़ों पर इध र–उधर कई एकांत स्थल हैं, जहां डूबते सूरज का नजारा देखते–देखते हाथ में हाथ थामे घंटों टहला जा सकता है।

नक्की लेक का नजारा

झील कहलाती है नक्की लेक। माउंट आबू नक्की लेक के इर्द–गिर्द ही बसा है। झील का नामकरण प्राचीन कथा–कहानियों के आधार पर हुआ है। पुराणों में उल्लेख है कि देवताओं ने इस झील को अपने नाखूनों से खोदा था। तभी से इसका नाम पड़ गया नक्की झील। झील में बोटिंग के अलावा आसपास रॉक क्लाइंबिंग का भी अच्छा–खासा इंतजाम है। हालांकि, नक्की लेक पर बोटिंग माउंट आबू के सबसे बड़े आकर्षणों में शुमार है। खासतौर से गर्मियों में नक्की झील के इर्द–गिर्द टहलना खासा सुकून भरा अनुभव है। यूं भी, झील वाले अन्य हिल स्टेशनों के मुकाबले यहां भीड़ काफी कम रहती है, इसलिए यह और बेहतर लगता है।

नक्की लेक पर बोटिंग करने का बेहतरीन समय सुबह–सवेरे ही है। सुबह झील की अदा देखते ही बनती है। ढलते सूरज की लालिमा भरी किरणों के बीच बोटिंग जरा कम आनंददायक हो जाती है, क्योंकि तब ज्यादातर पर्यटक उमड़ पड़ते हैं। किश्तियां भी कैसी–कैसी हैंकृमोटर बोट हैं, पैडल बोट भी हैं। यही नहीं, हंस की शक्ल की बोट तो बेहद आकर्षक हैं। यादगार फोटो खींचने के लिए यहां क्या–क्या नजारे हैं। बोटिंग करते–करते टॉड रॉक की तरफ, जंगल के नजदीक, परिंदों का कलरव तन–मन को उत्साह से लबरेज कर देता है।

हनीमून प्वाइंट और...

माउंट आबू के बड़े आकर्षणों में एक और हैकृसनसेट प्वाइंट। यहीं किडिज एम्यूजमेंट पार्क भी है, जो खासतौर से बच्चों की दुनिया है। बच्चे साथ हों, तो सनसेट प्वाइंट का रुख कीजिए। अगर विवाह के बाद फैमिली लाइफ शुरू करने वाले हैं, तो हनीमून प्वाइंट भी यहीं है। उधर गुरु शिखर पर चढ़ना भी कम रोमांचक नहीं है। उल्लेखनीय है कि गुरु शिखर अरावली पहाड़ों की सबसे ऊंची चोटी है। यहां से दूर–दूर तक फैले मैदानों, चट्टानों और पहाड़ों को निहारना बेहद मजेदार है। गुरु शिखर पर ही शिवजी का मंदिर भी है। इधर–उधर फैले बीहड़ जंगल वाइल्ड लाइफ के लिए मशहूर हैं, इसलिए अंध ेरा ढलने के बाद यहां टहलना खतरे से खाली नहीं बताया जाता। घूमने–फिरने और देखने लायक एक और जगह हैकृ वाइल्ड लाइफ सेंचुरी। यह 288 वर्ग किलोमीटर के दायरे में फैली है और माउंट आबू से ज्यादा दूर नहीं, महज 8 किलोमीटर पर है। परिंदों की निराली दुनिया भी यहां बुलाती–सी लगती है। ढाई सौ से ज्यादा पक्षी हर सुबह यहां–वहां उड़ते दिखाई देते हैं और उनका कर्णप्रिय गान कानों में मधुरता घोलता रहता है। तेंदुआ और चिंकारा जरा रेअर हैं, पर कभी–कभार दिख जाते हैं। हालांकि जंगलों में लंगूर कूदते–फांदते हरदम दिखाई देते हैं। नजदीक ही ब्रिटिश कर्नल ट्रेवर की याद में बना 'ट्रेवर टैंक' है। अगर सही वक्त पर यहां आएं, तो ट्रेवर टैंक या ताल में पानी पीते जानवर और पक्षी भी खूब नजर आते हैं। कबूतर, तीतर वगैरह भी आसपास होते हैं। जंगली भालू भी जरा–जरा दूरी पर दिख ही जाते हैं। पहाड़ों के बीच ताल के इर्द–गिर्द घने जंगल के साए में राष्ट्रीय पक्षी मोर की विविध अदाओं को करीब से देखना मन मोह लेता है।

धर्मस्थल भी खास

माउंट आबू धर्मस्थलों का घर भी है। सबसे भव्य और खास है दिलवाड़ा जैन मंदिर। नक्काशीदार संगमरमर से बने इस मंदिर के कोने–कोने की खूबसूरती बेमिसाल है।

हेल्दी समझकर ज्यादा न खाएं ये 9 फल, अचानक बढ़ा सकते हैं आपका ब्लड शुगर

फल आमतौर पर सेहत के लिए फायदेमंद और हेल्दी माने जाते हैं, लेकिन यह जरूरी नहीं कि हर फल ब्लड शुगर के लिए सुरक्षित हो। कुछ फल ऐसे होते हैं जिनमें प्राकृतिक शुगर और ग्लाइसेमिक इंडेक्स ज्यादा होता है, जिससे खून में शुगर तेजी से बढ़ सकती है। खासकर डायबिटीज से जूझ रहे लोगों या जो अपना शुगर लेवल कंट्रोल में रखना चाहते हैं, उन्हें इन फलों का चुनाव और मात्रा दोनों समझदारी से तय करनी चाहिए। आइए जानते हैं उन 9 फलों के बारे में, जिनसे सावधानी बरतना जरूरी है।

केला

वर्कआउट से पहले केला खाना आम है, लेकिन इसमें शुगर की मात्रा ज्यादा होती है। एक मीडियम केले में लगभग 14 ग्राम शुगर होती है और इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स (ळप्) मध्यम से उच्च होता है। अगर केला ज्यादा पका हो तो यह ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ा सकता है, इसलिए डायबिटीज या शुगर कंट्रोल करने वाले लोगों को इसका सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए।

अंगूर

छोटे और रसीले अंगूर देखने में तो ंितउसमे लगते हैं, लेकिन इनकी शुगर की मात्रा काफी अधिक होती है। एक कप अंगूर में लगभग 23 ग्राम शुगर होती है और फाइबर कम होने के कारण शुगर तेजी से खून में पहुंचती है। इसलिए, डायबिटीज या शुगर कंट्रोल करने वाले लोगों के लिए सीमित मात्रा में ही अंगूर खाना बेहतर माना जाता है।

आम

आम स्वाद में जितना शानदार होता है, शुगर में उतना ही भारी होता है। एक कप कटे हुए आम में लगभग 23 ग्राम शुगर होती है। इसमें विटामिन सी जरूर मिलता है, लेकिन अगर इसे ज्यादा मात्रा में खाया जाए तो यह ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ा सकता है, इसलिए डायबिटीज या शुगर कंट्रोल वाले लोगों के लिए सीमित सेवन ही सुरक्षित है।

अनानास

अनानास, चाहे ताजा हो या डिब्बाबंद, शुगर तेजी से रिलीज करता है। एक कप अनानास में लगभग 16 ग्राम शुगर होती है और इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स उच्च होता है। पाचन के लिए यह फायदेमंद है, लेकिन मात्रा का ध्यान रखना जरूरी है, खासकर उन लोगों के लिए जो ब्लड शुगर नियंत्रित रखना चाहते हैं।

चेरी

चेरी दिखने में हल्का फल लगती है, लेकिन इसमें शुगर की मात्रा काफी अधिक होती है। एक कप चेरी में लगभग 18 ग्राम शुगर होती है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद हैं, लेकिन ओवरईटिंग करना आसान होता है। इसलिए, ब्लड शुगर नियंत्रित रखने वाले लोगों के लिए सीमित सेवन ही सुरक्षित माना जाता है।

तरबूज

तरबूज पानी से भरपूर और कम कैलोरी वाला फल माना जाता है, लेकिन इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स काफी ज्यादा होता है। एक कप तरबूज में शुगर की मात्रा भले ही कम नजर आती हो, लेकिन इसका असर ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ाने वाला हो सकता है। खासकर डायबिटीज के मरीजों को इसे खाते समय मात्रा का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

अंजीर

अंजीर को पुराने समय से बेहद पौष्टिक फल माना जाता है, लेकिन इसमें नेचुरल शुगर की मात्रा काफी ज्यादा होती है। एक मीडियम अंजीर में करीब 8 ग्राम शुगर पाई जाती है, जबकि सूखे अंजीर में यह मात्रा और भी अधिक हो जाती है। इसलिए ब्लड शुगर कंट्रोल रखने वालों के लिए अंजीर का सीमित मात्रा में सेवन ही सुरक्षित माना जाता है।

खजूर

खजूर को आमतौर पर एनर्जी बूस्टर माना जाता है, लेकिन इसमें शुगर की मात्रा भी काफी ज्यादा होती है। एक मेडजूल खजूर में करीब 16 ग्राम शुगर पाई जाती है। हालांकि इसमें फाइबर मौजूद होता है, जो पाचन के लिए अच्छा है, लेकिन डायबिटीज या ब्लड शुगर कंट्रोल करने वालों को खजूर का सेवन बेहद सावधानी और सीमित मात्रा में ही करना चाहिए, वरना शुगर लेवल तेजी से बढ़ सकता है।

लीची

लीची स्वाद में भले ही कैंडी जैसी मीठी और हल्की लगती हो, लेकिन इसमें शुगर की मात्रा काफी अधिक होती है। सिर्फ 10 लीची में करीब 29 ग्राम शुगर पाई जाती है। साथ ही इसमें फाइबर कम होता है, जिस वजह से शुगर तेजी से खून में पहुंचती है और ब्लड शुगर अचानक बढ़ सकता है, इसलिए इसे भी सीमित मात्रा में ही खाना समझदारी है।

ब्लड शुगर नियंत्रण के लिए टिप्स

इन फलों का सीमित मात्रा में सेवन करें

शुगर कंट्रोल वाले लोग फल खाने के समय प्रोफेशनल सलाह लें

संतुलित आहार और फाइबरयुक्त फलों को प्राथमिकता दें

फलों के साथ प्रोटीन या नट्स मिलाकर खाने से ब्लड शुगर बढ़ने की रफ्तार कम होती है।

फल हेल्दी होते हैं, लेकिन शुगर की मात्रा और को नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। ब्लड शुगर कंट्रोल करने के लिए स्मार्ट फलों का चुनाव और सीमित मात्रा ही सेहत की कुंजी है।

कमाई में बीसीसीआई के आगे नहीं टिकता पाकिस्तान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 में हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। बांग्लादेश के भारत में न खेलने की जिद के बाद आईसीसी ने टीम को टूर्नामेंट से ही बाहर कर दिया। अब पाकिस्तान भी गीदड़भभकी दे रहा है कि वह भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने वाले टूर्नामेंट से नाम वापस लेने पर विचार कर सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि वह शुक्रवार या फिर दो फरवरी को अपना फैसला सुना देंगे। इस पर पाकिस्तान सरकार से बातचीत जारी है। पाकिस्तान का इस मामले से कोई लेनादेना नहीं है। उसके मैच को हाईब्रिड मॉडल के अनुसार श्रीलंका में होने हैं, फिर भी किसी और के मामले में टांग अड़ाने की उसकी आदत गई नहीं है। हालांकि, पाकिस्तान की यह गीदड़भभकी, उन्हें ही काफी भारी पड़ सकती है। यह हम नहीं कह रहे, बल्कि आईसीसी का रेवेन्यू मॉडल बताते है। पाकिस्तान का ढोल पीटना कि वह नहीं खेलेगा के पीछे की असली सच्चाई कुछ और ही है। आइए जानते हैं... पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की सबसे प्रमुख रणनीति अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों पर राजनीतिक दबाव बनाने की रही है। चाहे भारत में होने वाले आईसीसी इवेंट हों या खुद उनके देश में आयोजित होने वाली चौंपियंस ट्रॉफी, पीसीबी बार–बार बहिष्कार की संभावना जताकर एक तरह की वार्ता स्थिति बनाता है। पाकिस्तान की दलील यह होती है कि हमें बाहर करो तो आईसीसी की अर्थव्यवस्था डगमगा जाएगी, लेकिन जब इस दावे को आईसीसी के आधि ाकारिक वित्तीय मॉडल, प्रसारण आंकड़ों और वैश्विक क्रिकेट बाजार के 2025 के आंकड़ों पर रखा जाता है, तो तस्वीर अलग दिखती है। पाकिस्तान प्रभावशाली तो है, पर निर्णायक नहीं। आईसीसी एक इवेंट बिजनेस है, कोई मेंबर के फंड से चलने वाला क्लब नहीं सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि प्ष् कोई फंडिंग क्लब नहीं, बल्कि इवेंट बिजनेस है। आईसीसी के लिए उसके इवेंट्स (विश्व कप, टी20 विश्व कप आदि) उसकी नकद मशीन हैं। आईसीसी का दबाव वहीं होगा जहां इवेंट की वैल्यू हिले। इसका मतलब है कि बॉयकॉट की धमकी तभी असरदार होती है जब वह टूर्नामेंट की कमर्शियल वैल्यू को छू सके। आईसीसी राजस्व में पाकिस्तान का हिस्सा मायने रखता है, पर एक तय सीमा के साथ। 2024–27 डिस्ट्रिब्यूशन साइकिल के मुताबिक, पाकिस्तान को आईसीसी के रेवेन्यू का हिस्सा मिलता है, जबकि भारत को 38.5: । साथ ही मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत से आईसीसी को कुल राजस्व का लगभग 80: मिलता है। 2024–27 आईसीसी मीडिया राइट्स (इंडियन मार्केट) का मूल्य, 3 बिलियन यूएस डॉलर है। आईसीसी ने पाकिस्तान में पीटीवी और मायको को ब्रॉडकास्ट पार्टनर घोषित किया है, लेकिन डील की कीमत सार्वजनिक नहीं है। इसलिए यह दावा कि पीसीबी की मार्केट वैल्यू आईसीसी को आर्थिक रूप से प्रभावित कर सकती है। हालांकि, आंकड़े उपलब्ध ा नहीं है और यह बस कयास हैं। यह पाकिस्तान का सबसे बड़ा वास्तविक प्रभाव क्षेत्र है। भारत–पाकिस्तान मुकाबला दुनिया के सबसे ज्यादा बिकने वाले स्पोर्ट्स मैच में से है। इसलिए पाकिस्तान का प्रभाव रेवेन्यू जनरेशन में नहीं, बल्कि व्यूअरशिप को लेकर है। पाकिस्तान के बिना टूर्नामेंट में ड्रामा कम होता है। मीडिया ज्यादा हल्ला नहीं करती। राजनीतिक मूल्य भी घटता है। मैच इन्वेंट्री कमजोर होती है। परंतु यह आर्थिक नियंत्रण में तब्दील नहीं होता। कॉन्ट्रैक्ट रियलिटीरू मुख्य राइट्स डील्स मल्टी–लेयर होते हैं। पहले से साइन की गई डील्स री–नेगोशिएट नहीं हो सकतीं, जब तक क्लॉज मौजूद न हो। इसलिए बॉयकॉट से भविष्य के आईसीसी रिस्क बढ़ता है, विज्ञापन पैकेजिंग बदलती है, बोली लगाते समय बोली लगाने वाले थोड़े चौकन्ने हो जाते हैं। इसका मतलब है कि तुरंत आर्थिक पतन नहीं होगा, बल्कि भविष्य की वैल्यू को नुकसान पहुंच सकता है। बहिष्कार किसी एकतरफा हथियार की तरह नहीं, बल्कि दोनों तरफ चोट पहुंचाने वाला निर्णय है।

भारतीय अंडर–19 टीम का स्कोर 60 के पार, वैभव– म्हात्रे क्रीज पर आरोन आउट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जिम्बाब्वे के खिलाफ भारतीय अंडर–19 टीम का स्कोर 60 रन के पार पहुंच गया है। भारत के लिए वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे क्रीज पर मौजूद हैं। भारतीय अंडर–19 टीम को आरोन जॉर्ज के रूप में शुरुआती झटका लगा है। आरोन अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और उन्होंने टीम को तेज शुरुआत दिलाई थी, लेकिन 16 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 23 रन बनाकर आउट हो गए। एरॉन जॉर्ज , वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे (कप्तान), विहान मल्होत्रा, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), वेदांत त्रिवेदी, कनिष्क चौहान, आरएस अंब्रिश, खिलन पटेल, हेनिल पटेल, उद्धव मोहन। नथैनियल लाबांगाना (विकेटकीपर), ध्रुव पटेल, कियान ब्लिगनॉट, वेबस्टर मधिधि, तकुदजावा मकोनी, लेरॉय चिवाउला, सिम्बाराशे मुदजेंगेरे (कप्तान), ब्रैंडन सेनजेरे, माइकल ब्लिगनॉट, ततेंदा चिमूगोरो, पनाशे मजाई। सुपर–6 चरण की शुरुआत हो चुकी है और आज भारत बनाम जिम्बाब्वे का बेहद अहम मुकाबला है। इस मैच में जीत भारत को सेमीफाइनल के बहुत करीब पहुंचा देगी। दूसरी ओर जिम्बाब्वे किसी तरह लीग चरण से आगे बढ़ पाया, वह भी किस्मत के सहारे। उन्होंने लीग चरण में एक भी मैच नहीं जीता और अब सुपर–6 में उनके सामने कठिन रास्ता है। आज के मैच में भारत स्पष्ट रूप से पसंदीदा रहेगा। वैभव सूर्यवंशी शानदार फॉर्म में हैं, आयुष म्हात्रे ने भी रन बनाए हैं और गेंदबाजों का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। इसके विपरीत जिम्बाब्वे के बल्लेबाज संघर्ष कर रहे हैं और गेंदबाजों का असर लगभग न के बराबर रहा है। पिछले हफ्ते बुलावायो में खूब बारिश हुई थी, लेकिन आज मौसम साफ और धूप वाला रहने का अनुमान है।

बैठकों का दौर जारी, फिर भी नहीं कोई नतीजा पाकिस्तान कब लेगा टी20 विश्व कप पर अंतिम फैसला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले विवादों का दौर जारी है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की हठ ने उन्हें पहले ही वैश्विक टूर्नामेंट में खेलने से वंचित कर दिया। अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भी ड्रामेबाजी पर उतर आया है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, सोमवार को पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने पाकिस्तान के प्रध ाानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात के बाद बताया कि आगामी विश्व कप में खेलने के फैसले पर पाकिस्तान शुक्रवार या अगले सोमवार तक फैसला ले सकता है। पीटीआई के मुताबिक, पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने सोमवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से इस्लामाबाद में मुलाकात की और उनसे टी20 विश्व कप पर चर्चा की। इसके बाद नकवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश् पर लिखा, श्उन्होंने (पीएम शहबाज) निर्देश दिया कि हम सभी विकल्पों पर विचार करते हुए इसे हल करें। इस बात पर सहमति बनी कि अंतिम फैसला शुक्रवार या अगले सोमवार को लिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, शहबाज शरीफ ने नकवी से कहा कि पाकिस्तान को बांग्लादेश को हर संभव मदद देनी चाहिए। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री को कई संभावित स्थितियों के बारे में बताया गया, जिसमें पाकिस्तान का विश्व कप के लिए अपनी टीम न भेजना, या टूर्नामेंट में हिस्सा लेना लेकिन 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले हाई–प्रोफाइल मैच का बहिष्कार करना शामिल था, अगर इस कदम से बांग्लादेश क्रिकेट को किसी भी तरह से मदद मिलती है। यह बैठक नकवी के उस बयान के बाद हुई है जिसमें उन्होंने टी20 विश्व कप में खेलने या नहीं खेलने पर चर्चा की थी। दरअसल, बांग्लादेश ने भारत में सुरक्षा का हवाला देते हुए टीम भेजने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने उसे 24 घंटे में फैसला लेने का समय दिया था। इसके बाद बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल और अंतरिम सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर टी20 विश्व कप में खेलने से इनकार कर दिया। आईसीसी ने भी उनके फैसले को स्वीकार किया और स्कॉटलैंड को बांग्लादेश की जगह ग्रुप सी का हिस्सा बना दिया। बांग्लादेश पर लिए गए फैसले के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने हाय–तौबा मचाना शुरू कर दिया। पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शनिवार को एक तरफ आईसीसी पर बांग्लादेश मामले में पक्षपात का आरोप लगाया तो दूसरी तरफ यह भी संकेत दिया कि पाकिस्तान भी आगामी विश्व कप से बाहर हो सकता है। उन्होंने कहा, शविश्व कप में हिस्सा लेने के बारे में हमारा रुख वही होगा जो पाकिस्तान सरकार हमें बताएगी। प्रधानमंत्री अभी पाकिस्तान में नहीं हैं। जब वह वापस आएंगे, तो मैं आपको हमारा आखिरी फैसला बता पाऊंगा।

टी20 विश्वकप 2026 से पहले कब-कब हुआ ऐसा बहिष्कार का लंबा इतिहास

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा बांग्लादेश को टी20 विश्व कप 2026 से हटाने और उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल करने का निर्णय विवाद को समाप्त नहीं कर पाया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत में होने वाले इस टूर्नामेंट में टीम भेजने से इनकार कर दिया था, सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए। इसके तुरंत बाद आईसीसी ने बांग्लादेश को प्रतिस्पर्धा से बाहर करते हुए स्कॉटलैंड को शामिल कर लिया। दूसरी तरफ, पाकिस्तान की ओर से भी विश्व कप के बहिष्कार की धमकी दी जा रही है और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड दो फरवरी तक अपना आधि ाकारिक रुख स्पष्ट करेगा। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब किसी टीम ने किसी मेजबान देश में खेलने से इनकार किया हो। आईसीसी टूर्नामेंटों की इतिहास में कई ऐसे अवसर आए हैं जब राजनीति, सुरक्षा या राजनयिक तनावों के चलते टीमें किसी मेजबान देश में खेलने को तैयार नहीं हुईं। आइए नजर डालते हैं ऐसे पांच प्रमुख घटनाक्रमों पर... 1996 वनडे विश्व कप श्रीलंका, भारत और पाकिस्तान द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाना था, लेकिन टूनार्मेंट से ठीक दो सप्ताह पहले, कोलंबो में एक भीषण बम धमाके ने पूरी दुनिया में चिंता पैदा कर दी। श्रीलंका पहले से ही गृहयुद्ध के दौर से गुजर रहा था, ऐसे में सुरक्षा मुद्दे और गंभीर हो गए। भारत और पाकिस्तान ने श्रीलंका के समर्थन में एक संयुक्त इलेवन टीम भेजकर कोलंबो में एक प्रदर्शनी मैच खेला, ताकि सामरिक एकता का संदेश दिया जा सके। परंतु ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज ने अपने ग्रुप मैचों के लिए श्रीलंका जाने से इनकार कर दिया। उनकी सुरक्षा चिंता पर आईसीसी ने मैचों को स्थानांतरित करने की अनुमति नहीं दी और दोनों टीमों को अपने–अपने मैचों का बहिष्कार करना पड़ा। नतीजतन, श्रीलंका को अंक मिल गए और वे आसानी से क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। मजेदार बात यह है कि आगे जाकर श्रीलंका ने वही विश्व कप जीत लिया, वह भी ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में हराकर और इस तरह एक अभूतपूर्व ऐतिहासिक स्क्रिप्ट लिखी। पहला विश्व कप जो अफ्रीका में आयोजित हुआ, उसने सुरक्षा और राजनीतिक तनावों के चलते कई विवाद देखे। इंग्लैंड की टीम ने जिम्बाब्वे में मैच खेलने से इनकार किया क्योंकि ब्रिटेन की सरकार, उस समय टोनी ब्लेयर के नेतृत्व में, रॉबर्ट मुगाबे शासन की आलोचना कर रही थी। इंग्लैंड ने आईसीसी से मैच को तटस्थ स्थान पर शिफ्ट करने की गुहार लगाई पर अनुरोध ा खारिज हुआ, और जिम्बाब्वे को वॉकओवर मिला। उधर न्यूजीलैंड ने नैरोबी (केन्या) में खेलने से इनकार किया क्योंकि कुछ महीने पहले मोम्बासा में आतंकवादी हमला हुआ था। उन्होंने सुरक्षा कारणों से मैच को हटाने की मांग की जो कि अस्वीकार कर दी गई, और परिणामस्वरूप केन्या

को वॉकओवर मिला। यही वॉकओवर केन्या के लिए टूनार्मेंट का सबसे बड़ा वरदान साबित हुआ क्योंकि वे पहली बार विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचे। इंग्लैंड, शुरुआती चरण में ही बाहर हो गया, जबकि न्यूजीलैंड सुपर सिक्स चरण तक पहुंचा। 2009 टी20 विश्व कप इंग्लैंड में होना था, लेकिन सवाल उठ रहा था कि क्या जिम्बाब्वे के खिलाड़ियों को वीजा मिल पाएगा। मुगाबे सरकार और ब्रिटेन के बीच राजनीतिक तनाव चरम पर था। लंबे विमर्श के बाद जिम्बाब्वे क्रिकेट ने एक अप्रत्याशित लेकिन सुलझा हुआ निर्णय लिया।

वेनेजुएला में सैकड़ों कैदियों की रिहाई ट्रंप ने की तारीफ, बताया– बड़ी मानवीय पहल

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला में राजनीतिक कैदियों की रिहाई का स्वागत किया है। उन्होंने सोमवार को इसे एक शक्तिशाली मानवीय कदम बताया। ट्रंप ने कहा कि कैदियों को छोड़ने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्ट्रुथ सोशलश पर ट्रंप ने लिखा, ष्मुझे खुशी है कि वेनेजुएला अपने राजनीतिक कैदियों को तेजी से रिहा कर रहा है। आने वाले समय में यह रफ्तार और बढ़ेगी।ष् उन्होंने काराकास के सहयोग के लिए भी सराहना व्यक्त करते हुए कहा, ष्मैं इस शक्तिशाली मानवीय कदम पर सहमत होने के लिए वेनेजुएला के नेतृत्व को ध न्यवाद देना चाहता हूं। ट्रंप की यह टिप्पणी तब आई जब रविवार को वेनेजुएला में 100 से ज्यादा राजनीतिक कैदियों को रिहा किया गया। एक गैर–सरकारी संगठन के मुताबिक, अमेरिका के दबाव में कैदियों को धीरे–धीरे छोड़ा जा रहा है। संगठन ने पुष्टि की है कि रविवार को कुल 104 कैदी रिहा हुए। इससे पहले उसी दिन 80 राजनीतिक कैदियों को रिहा किए जाने की खबर आई थी। हालांकि, यह संख्या अभी बढ़ सकती है। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी विशेष बलों ने वामपंथी नेता निकोलस मादुरो को पकड़ लिया था। इसके बाद डेल्सी रोड्रिग्ज ने वेनेजुएला की अंतरिम सरकार की कमान संभाली। उन्होंने जेल में बंद मादुरो के विरोधियों को रिहा करने का वादा किया था। रविवार को तेल कर्मियों से बात करते हुए रोड्रिग्ज ने कहा कि वेनेजुएला अब वाशिंगटन के आदेश पर नहीं चलेगा। उन्होंने कहा, ष्हमें अपने आपसी झगड़े खुद सुलझाने चाहिए। विदेशी ताकतों का दखल बंद होना चाहिए।ष् अधिकारियों का दावा है कि दिसंबर से अब तक 626 कैदी रिहा हुए हैं। हालांकि, संगठन ने इससे आध ी संख्या ही दर्ज की है। मानवाधिकार समूह इस प्रक्रिया की धीमी गति से नाराज हैं, जबकि कैदियों के परिवार जेलों के बाहर अपनों का इंतजार कर रहे हैं।

मिनेसोटा में आव्रजन अधिकारियों की कार्रवाई पर विवाद जारी

मिनियापोलिस, (एजेंसी)। मिनेसोटा के अधिकारियों ने सोमवार को अमेरिकी जज कैथरीन मेनेंडेज से अनुरोध किया कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की आव्रजन (इमिग्रेशन) पर सख्त कार्रवाई को अस्थायी रूप से रोका जाए। यह घटनाक्रम तब सामने आया, जब सप्ताहांत में दूसरी अमेरिकी नागरिक की मौत हुई, जिससे बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन भड़क गए। राज्य के वकीलों ने कहा कि 3,000 आव्रजन एजेंटों की तैनाती गैरकानूनी है और इससे सार्वजनिक सुरक्षा खतरे में है। राज्य के अटॉर्नी जनरल कार्यालय के वकील ब्रायन कार्टर ने कहा कि ट्रंप प्रशासन कानून का पालन नहीं कर रहा और न्यायपालिका को काम करने नहीं दे रहा। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन मिनेसोटा की सड़कों पर हिंसा फैलाकर अपने लक्ष्य हासिल करने की कोशिश कर रहा है। जज मेनेंडेज ने राज्य की दलील पर शक जताया कि क्या उनके पास संघीय कार्रवाई को रोकने का अध िकार है। ट्रंप प्रशासन ने इसे श्बेतुकाश बताया और कहा कि इससे संघीय कानून को नजरअंदाज किया जाएगा। सुनवाई कई घंटे तक चल सकती है और इसके बाद निर्णय आ सकता है। आव्रजन एजेंटों की बढ़ती मौजूदगी के कारण शीतलहर में बड़े विरोध प्रदर्शन हुए और राज्य के डेमोक्रेटिक नेताओं ने इसकी कड़ी निंदा की। राज्य के 60 बड़े व्यवसायों ने भी तनाव को कम करने का आग्रह किया। मुख्य रिपब्लिकन गवर्नर उम्मीदवार क्रिस माडेल ने सोमवार को अपनी गवर्नर की दावेदारी छोड़ दी। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन की आव्रजन कार्रवाई बहुत आगे बढ़ गई है और अब चुनाव जीतना उनके लिए असंभव हो गया है। माडेल ने यह भी कहा कि वह राज्य के नागरिकों पर पार्टी की प्रतिक्रिया का समर्थन नहीं कर सकते।

चीनी राष्ट्रपति ने सबसे करीबी जनरल के खिलाफ बैठाई जांच

बीजिंग, (एजेंसी)। चीनी सेना (पीएलए) के शीर्ष नेतृत्व में उथल–पुथल मच गई है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के करीबी माने जाने वाले देश के सबसे वरिष्ठ जनरल को श्अनुशासन और कानून के गंभीर उल्लंघनश के आरोप में जांच के दायरे में रखा गया है। वह लंबे समय से शी जिनपिंग के सबसे करीबी और भरोसेमंद सैन्य सहयोगी रहे हैं। चीनी रक्षा मंत्रालय ने क्या कहा? रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि झांग योउश्या और सीएमसी के संयुक्त स्टाफ विभाग के प्रमुख लियू झेनली दोनों के खिलाफ जांच चल रही है। पीएलए के अखबार में क्या कहा गया? रविवार को सेना के अखबार श्लिबरेशन आर्मी डेलीश में प्रकाशित संपादकीय में कहा गया कि झांग और लियू ने कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) और सीएमसी के भरोसे और उम्मीदों के साथ गंभीर विश्वासघात कियाश। संपादकीय में यह भी कहा गया कि दोनों ने राजनीति और भ्रष्टाचार से जुड़ी समस्याओं को बढ़ावा दिया, जिससे सेना पर पार्टी की पूर्ण पकड़ कमजोर हुई और पार्टी की सत्ता की नींव को खतरा पहुंचा। अधिकारियों पर क्या आरोप लगे हैं? वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, झांग पर आरोप है कि उन्होंने चीन के परमाणु हथियार कार्यक्रम से जुड़ी जानकारी अमेरिका को लीक की और सरकारी कामों के बदले रिश्वत ली। रिपोर्ट में कहा गया है कि इनमें एक अधिकारी को रक्षा मंत्री बनाए जाने में मदद करना भी शामिल है। यह जानकारी आरोपों से जुड़े उच्च स्तरीय ब्रीफिंग से परिचित लोगों के हवाले से दी गई है।

अमेरिका के दबदबे पर एक और चोट, कनाडा के बाद ये यूरोपीय देश भी चीन के साथ बढ़ा रहा व्यापारिक संबंध

लंदन, (एजेंसी)। वैश्विक हालात इन दिनों तेजी से बदल रहे हैं। अमेरिका का दबदबा सिमट रहा है और एक समय अमेरिका के करीबी सहयोगी ही अब उसे आंखें दिखा रहे हैं। हाल ही में कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने चीन का दौरा किया था और चीन के साथ व्यापारिक संबंध मजबूत करने की बात कही। इसे लेकर ट्रंप ने कड़ी नाराजगी जताई थी, लेकिन अब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर भी चीन दौरे पर पहुंच रहे हैं। इसे भी यूरोप के अमेरिका के पाल से दूर जाने के तौर पर देखा जा रहा है। कीर स्टार्मर और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात बुधवार को होगी। इस दौरे की अहमियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आखिरी बार साल 2018 में किसी ब्रिटिश पीएम ने चीन का दौरा किया था और अब करीब सात साल बाद अब कीर स्टार्मर चीन पहुंच रहे हैं। इस दौरे से ब्रिटेन और चीन अपने व्यापारिक संबंधों को बेहतर करने की कोशिश करेंगे। हालांकि चीन दौरे के चलते कीर स्टार्मर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के गुस्से का भी शिकार होना पड़ सकता है। कीर स्टार्मर से पहले कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने भी चीन का दौरा किया था। जिस पर ट्रंप ने नाराजगी जताते हुए कहा था कि अगर कनाडा ने चीन से व्यापार समझौता किया तो वे कनाडा से होने वाले आयात पर 100 फीसदी टैरिफ लगा देंगे। अमेरिकी धमकी के बाद कनाडा के पीएम ने साफ किया कि वे, चीन के साथ व्यापार समझौता नहीं करने जा रहे। कीर स्टार्मर के साथ ही उनके व्यापार मंत्री और कई कंपनियों के प्रमुख भी चीन दौरे पर जा रहे हैं। ब्रिटेन की मंशा है कि दुनिया के दूसरे सबसे बड़े बाजार चीन में एंट्री मिले, जिससे उसकी कारों और स्कॉच व्हिस्की को बड़ा बाजार मिल सके। वहीं यूरोपीय देशों के साथ अपने संबंधों को बेहतर कर चीन अपने वैश्विक दबदबे में इजाफा करने की इच्छा रखता है। हालांकि ब्रिटेन और चीन के बीच कई मुद्दों पर मतभेद भी हैं, जिनमें रूस–यूक्रेन युद्ध को लेकर चीन का रूस को समर्थन देना, चीन का ब्रिटेन की जासूसी करना, हॉन्गकॉन्ग में चीन द्वारा किया जा रहा अत्याचार आदि कई वजह हैं, जिन्हें लेकर ब्रिटेन द्वारा चीन के साथ अपने संबंधों को शक की निगाह से देखा जाता है। ब्रिटेन ने भी अपने टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर से चीनी कंपनियों को निकालकर और परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में चीनी निवेश रोककर चीन को नाराज किया हुआ है। ऐसे में अब दोनों देशों के रिश्तों पर जमी बर्फ को पिघलाना आसान नहीं है, लेकिन कीर स्टार्मर के इस दौरे से शुरुआत हो सकती है।

तेहरान पर हवाई हमले की तैयारी कर रहे ट्रंप ? ईरान के नजदीक पहुंचे अमेरिका के युद्ध पोत

तेहरान, (एजेंसी)। ईरान में विरोध ा प्रदर्शनों को वहां की सरकार ने कुचल दिया है और जब ऐसा लग रहा है कि हालात सामान्य होने की तरफ हैं, लेकिन लगता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दिमाग में कुछ और ही चल रहा है। दरअसल अमेरिका का युद्धपोत अब्राहम लिंकन ईरान के नजदीक पहुंच गया है। जिससे आशंका पैदा हो गई है कि शायद ट्रंप, ईरान पर हमले की तैयारी कर रहे हैं। अमेरिकी नौसेना का युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन बेहद शक्तिशाली युद्धपोत है, जो निमित्ज क्लास का है और परमाणु ऊर्जा से संचालित होता है। यह कैरियर स्ट्राइक ग्रुप 3 का नेतृत्व करता है। यह युद्धपोत 19 जनवरी को मलक्का की खाड़ी से गुजरा। इस युद्धपोत के साथ एर्ले बुर्क क्लास के तीन डेस्ट्रॉयर (विध्वंसक जहाज) यूएसएस फ्रैंक ई पीटरसन जूनियर, यूएसएस स्प्रांस, यूएसएस माइकल मर्फी भी शामिल हैं।

अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि कैरियर स्ट्राइक ग्रुप को पश्चिम एशिया में तैनात किया गया है। युद्धपोत के साथ ही अमेरिका ने अपने फाइटर जेट्स और कार्गो फ्लीट को भी ईरान के आसपास तैनात किया है। अमेरिका के इस कदम को ईरान पर दबाव बनाने के तौर पर देखा जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने बीते दिनों सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया था ।

एनएटीओ प्रमुख का तंज, बोले- खुद रक्षा कर लेंगे, ऐसा सोचने वालों को शुभकामनाएं

ब्रसेल्स, (एजेंसी)। यूरोप की सुरक्षा को लेकर चल रही बहस के बीच नाटो के महासचिव मार्क रूटे ने साफ शब्दों में कहा है कि अमेरिका की सैन्य मदद के बिना यूरोप खुद की रक्षा करने में सक्षम नहीं है। ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ के सांसदों को संबोधित करते हुए रूटे ने कहा कि जो लोग यह सोचते हैं कि यूरोप अकेले खड़ा हो सकता है, वे ख्वाब देख रहे हैं। रूटे ने दो टूक कहा अगर किसी को लगता है कि यूरोपीय संघ या पूरा यूरोप अमेरिका के बिना अपनी सुरक्षा कर सकता है, तो ऐसा कभी नहीं हो सकता। अमेरिका और यूरोप को एक–दूसरे की जरूरत है।हालांकि रूटे ने साफ किया कि अमेरिका के बिना यूरोप अपनी सबसे बड़ी सुरक्षा ढाल खो देगा। उन्होंने कहा अमेरिका के बिना यूरोप अपनी आजादी का सबसे बड़ा गारंटर अमेरिकी परमाणु सुरक्षा कवच खो देगा। तो हां, फिर गुड लक! नाटो के भीतर तनाव ऐसे समय बढ़ा है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल के हफ्तों में ग्रीनलैंड को लेकर आक्रामक बयान दिए। ग्रीनलैंड, जो नाटो सदस्य डेनमार्क का अर्ध–स्वायत्त क्षेत्र है, अपने खनिज संसाधनों को लेकर रणनीतिक रूप से अहम माना जाता है। ट्रंप ने ग्रीनलैंड के यूरोपीय समर्थकों पर नए टैरिफ लगाने की धमकी भी दी थी, हालांकि बाद में नाटो प्रमुख रूटे की मध्यस्थता से एक फ्रेमवर्क डील पर सहमति बनने के बाद यह चेतावनी वापस ले ली गई। इस समझौते के विवरण अभी सार्वजनिक नहीं हुए हैं। नाटो के 32 सदस्य देशों को वॉशिंगटन संधि के अनुच्छेद 5 के तहत एक–दूसरे की रक्षा करने की कानूनी बाध्यता है। इसका मतलब है कि किसी एक सदस्य देश पर हमला, सभी पर हमला माना जाता है। पिछले साल जुलाई में हेग में हुए ।

देश की उपासना
(हिन्दी साप्ताहिक)

स्वात्वाधिकारी की ओर से मेसर्स प्रभु दयाल प्रकाशन के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक पी.सी. श्रीवास्तव द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर (उ0 प्र0) से मुद्रित तथा ई–3464, राजाजीपुरम (मिनी स्टेडियम के पास) लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाशित।

सम्पादक
पी.सी. श्रीवास्तव
मो. 7007415808
9415034002

समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने स्रोत एवं संकलन है। जिसमें सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

नोट : उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयं सेवी है। तथा समाचार से सम्बन्धित सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

खबरों के लिए ई–मेल का प्रयोग करें–
deshkiupasanadailynews@gmail.com
dkunews01@gmail.com

पंजीकृत कार्यालय–उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर (उ0प्र0) 7007415808 / 9415034002